सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 185 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 19 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा आएंगे दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, बच्चों के साथ खेलेंगे क्रिकेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर 22 अप्रैल को दंतेवाड़ा जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे सपरिवार बस्तर क्षेत्र पहुंचकर विभिन्न सामाजिक और खेल गतिविधियों में हिस्सा लेंगे, जहां बच्चों के साथ संवाद और खेल कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

सचिन तेंदुलकर दंतेवाड़ा के अबूझमाड़ से सटे इंद्रावती नदी किनारे स्थित ग्राम छिंदनार में स्थानीय बच्चों के साथ क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। यह कार्यक्रम ग्रामीण खेलों को बढ़ावा देने और बच्चों में खेल के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी कार्यक्रम में शामिल रहेंगे।

सचिन तेंदुलकर और मुख्यमंत्री की मौजूदगी में बच्चों के साथ संवाद और विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे स्थानीय युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। हाल ही में सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन की टीम के दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान जन स्वास्थ्य सहयोग (गनियारी) संस्था और अचनाकमार टाइगर रिजर्व का दौरा किया था।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में खेल को बढ़ावा देने की पहल

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन ने छिंदनार क्षेत्र में ग्रामीण खेलों और बच्चों के प्रशिक्षण के लिए पहले भी पहल की थी, जब यह इलाका नक्सल प्रभावित था। अब क्षेत्र में हालात सुधरने के बाद सचिन स्वयं यहां पहुंचकर बच्चों से मुलाकात करेंगे।

स्वास्थ्य और शिक्षा पर फाउंडेशन का फोकस

डॉ. अंजलि तेंदुलकर और सारा तेंदुलकर ने भी विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं और बच्चों की शिक्षा व्यवस्था को समझा था। उन्होंने स्थानीय बच्चों से मुलाकात कर उनकी जीवनशैली और जरूरतों पर विस्तार से चर्चा की थी।

खास-खबर

बीसीसीआई ने एक साल के लिए अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट रीन्यू किया

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कॉन्ट्रैक्ट को रीन्यू किया और इस तरह उनका कार्यकाल एक साल के लिए और बढ़ गया है। यह फैसला 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि टीम चयन में निरंतरता बनी रहे। हालांकि, अब से एक साल यानी जून 2027 तक के लिए उनके कार्यकाल का विस्तार हुआ है। अगले साल वनडे विश्वकप अक्तूबर-नवंबर में दक्षिण अफ्रीका में होना है। ऐसे में अगरकर के कार्यकाल को तब भी विश्व कप तक के लिए बढ़ाया जा सकता है। विश्व कप से ठीक पहले चयनकर्ता में बदलाव टीम के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

अक्षय तृतीया पर चारधाम यात्रा का आगाजः खुले गंगोत्री-यमुनोत्री मंदिर के कपाट

देहरादून। चारधाम यात्रा का रविवार से विधिवत शुभारंभ हो गया है। वैदिक मंत्रोचार, धार्मिक अनुष्ठान और जय मां गंगा और यमुना के जयकारों के साथ अक्षय तृतीय के पर्व पर गंगोत्री धाम और यमुनोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। सीएम मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खुद इस दिव्य पल के साक्षी बने। गंगोत्री के कपाट खुलने के समय हजारों तीर्थयात्री मंदिर प्रांगण में मौजूद रहे। इस दौरान हर-हर गंगे और मां गंगा की जय के जयकारों से पूरा गंगोत्री धाम गूंज उठा। वहीं, तय मुहूर्त पर दोपहर 12.15 पर गंगोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले गए। इस दौरान धाम में मौजूद भक्तों पर हेलीकॉप्टर से फूलों की वर्षा भी की गई।

जनगणना कार्य के दौरान छुट्टी पर बैन

बालोद। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी दिव्या मिश्रा ने जनगणना कार्य को सुचारू एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के उद्देश्य से जिले में जनगणना कार्य में लगे सभी अधिकारी-कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। जनगणना कार्य में संलग्न किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को कलेक्टर के पूर्वानुमोदन के बिना अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। साथ ही, बिना पूर्व अनुमति के कोई भी अधिकारी-कर्मचारी मुख्यालय नहीं छोड़ सकेगा।

भाषा के आधार पर भेदभाव करने वाले किड्स एकेडमी पर कार्रवाई, एक लाख का जुर्माना

■ कलेक्टर के निर्देश पर जांच, डीईओ ने जारी किया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। भाषा के आधार पर भेदभाव करने वाले शहर के निजी स्कूल किड्स एकेडमी पर शिक्षा विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। स्कूल पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। दरअसल भाषा के आधार पर बालक को प्रवेश देने से इंकार करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर अजीत वसंत ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण की विस्तृत जांच कराई गई। जांच प्रतिवेदन के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ दिनेश कुमार झा ने आदेश जारी किया।

दरअसल जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया कि स्वरंग किड्स एकेडमी (पेशागी एजूकेशन सोसायटी) चोपड़ापारा अम्बिकापुर द्वारा 4 वर्ष के एक मासूम बच्चे को विद्यालय में प्रवेश देने से इस आधार पर इंकार किया गया कि वह हिन्दी में बातें नहीं कर पाता तथा स्थानीय सरगुजिहा भाषा में बात करता है। संस्था द्वारा बच्चे के पिता से यह भी कहा गया कि इस विद्यालय में बड़े घर के बच्चे पढ़ते हैं और शिक्षक बच्चे की बातें नहीं समझ पा रहे हैं, इसलिए उसे प्रवेश नहीं दिया जा सकता।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के विपरीत

इस प्रकार भाषा के आधार पर किसी बालक के साथ किया गया भेदभाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के विपरीत तथा पूर्णतः अनुचित एवं अस्वीकार्य पाया गया। इस संबंध में संस्था से स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि संस्था बिना विभागीय मान्यता के संचालित हो रही थी तथा शाला प्रबंधन एवं शिक्षकों द्वारा अपनी गलती स्वीकार की गई। प्राप्त शिकायत की जांच हेतु रूमी घोष, वरिष्ठ प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केदारपुर अम्बिकापुर की अध्यक्षता में जांच दल गठित किया गया। जांच दल द्वारा भी समाचारों में प्रसारित घटना की पुष्टि करते हुए संस्था के बिना मान्यता संचालन की जानकारी दी गई।

निर्देशों का उल्लंघन

उक्त कृत्य को निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 तथा छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन माना गया। अतः निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा-18 (5) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए स्वरंग किड्स एकेडमी चोपड़ापारा अम्बिकापुर पर 1 लाख रुपए का आर्थिक दण्ड अधिरोपित किया गया है तथा आगामी आदेश तक संस्था का संचालन तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने निर्देशित किया है कि अधिरोपित आर्थिक दण्ड शासन के खजाने में चालान के माध्यम से जमा कर उसकी प्रति प्रस्तुत की जाए। साथ ही विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, अम्बिकापुर को निर्देश दिए गए हैं कि संस्था में अध्ययनरत बच्चों के पालकों से संपर्क कर उनके बच्चों को अन्य उपयुक्त विद्यालयों में प्रवेश दिलाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

खारून ब्रिज पर हादसाः ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर

■ मेंटेनेंस के बाद एक दिन पहले खुला था ब्रिज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खारुन नदी ब्रिज पर मेंटेनेंस के काम के बाद इसे गुरुवार की रात को खोला गया था, लेकिन दो दिन बाद ही शनिवार दोपहर में खारुन नदी ब्रिज पर बड़ा सड़क हादसा हो गया। खारुन नदी ब्रिज के ऊपर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि बाइक सवार ट्रक के पहिए के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा दोपहर करीब 1 बजे खारुन नदी ब्रिज पर दुर्ग से रायपुर जाने वाले मार्ग पर हुआ है। एक काले रंग की पल्सर बाइक स्क्र65 स्ध 8516 ब्रिज पर जा रही थी। तभी पीछे से आ रहे एक हाईवा ट्रक छ्त्र04 क्क्त 8262 ने जोरदार टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक ड्राइवर तेज रफ्तार में था और लापरवाही से चला रहा था। टक्कर लगते ही बाइक सवार सड़क पर गिर गया और ट्रक के पहिये के नीचे आ गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं पाए।

घटना के बाद पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मार्ग को खाली करवाया। पुलिस ने मृतक की जेब की तलाशी ली, जिसमें मिले पहचान पत्र से उसका नाम आरिफ रजा मंसूरी पता चला। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर शासकीय वाहन से सुपेला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मॉर्च्युरी में रखवाया गया। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफकेस दर्ज कर लिया है। इस घटना ने एक बार फिर हाईवे पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरे को उजागर किया है।

बंगाल में ईडी की बड़ी कार्रवाईः कोलकाता में डीसीपी के घर रेड, सोना पप्पू सिंडिकेट केस से जुड़ा मामला

कोलकाता ए.। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा कदम उठाते हुए कोलकाता पुलिस के डिप्टी कमिश्नर (डीसीपी) शांतनु सिन्हा बिस्वास के आवास पर छापेमारी की है। ईडी की टीम रविवार सुबह करीब 7 बजे बालीगंज स्थित फर्न रोड पर उनके घर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया। जानकारी के अनुसार, डीसीपी बिस्वास पहले कालीघाट पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी रह चुके हैं, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

यह कार्रवाई दक्षिण कोलकाता के बालीगंज क्षेत्र में चल रहे सोना पप्पू सिंडिकेट केस से जुड़ी बताई जा रही है। यह मामला कथित अवैध गतिविधियों और मनी ट्रेल की जांच से संबंधित है। ईडी की टीम ने कुल तीन अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की है। इनमें से दो ठिकाने शंतनु सिन्हा बिस्वास से जुड़े हैं, जबकि एक ठिकाना जॉय कामदार का है। इसी दौरान ईडी ने दक्षिण कोलकाता के बेहाला इलाके में एक कारोबारी छ्वजॉय कामदार के आवास पर भी छापा मारा।

वेदांता पावर प्लांट हादसा : अब तक 24 की मौत, 12 लोगों का इलाज जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के सिंघीतराई गांव स्थित वेंदांता पॉवर प्लांट में हादसे के बाद मृतकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। रविवार सुबह इलाज के दौरान एक और घायल की मौत हो गई। इसके साथ ही मृतकों की संख्या 24 तक पहुंच गई है। वहीं 12 घायलों का इलाज जारी है।

बता दें 14 अप्रैल को वेदांता पॉवर प्लांट में बॉयलर में विस्फोट के बाद अफरा तफरी मच गई। इस हादसे में 36 लोग झुलस गए थे। हादसे में मृतकों की संख्या अब 24 तक पहुंच चुकी है। शनिवार को राजधानी रायपुर में दो मजदूरों किस्मत अली, उपेन्द्र साह के अलावा रायगढ़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती सुब्रोतो जना की मौत हो गई थी। वही, आज सुबह 7 बजे एक अन्य मजदूर मनीष कुमार निवासी- झारखंड की मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में मौत हो गई है। इस तरह वेदांता पावर प्लांट हादसे में अब तक 24 मौत हो चुकी है, वहीं 12 लोगों का अभी भी रायगढ़ के अलग-अलग अस्पताल में इलाज जारी है।

14 अप्रैल को हुए हादसे के बाद औद्योगिक सुरक्षा विभाग के बॉयलर इंस्पेक्टर उज्जवल गुप्ता और उनकी टीम ने 15 अप्रैल को घटना स्थल की जांच की। एसपी प्रफुल्ल ठाकुर को सौंपी गई शुरूआती जांच रिपोर्ट में प्लांट प्रबंधन की गंभीर लापरवाही सामने आई थी। शुरूआती जांच में मेंटेनेंस को लेकर लापरवाही सामने आई है। वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल समेत 10 लोगों के खिलाफ डभरा थाने में एफआईआर दर्ज हुई है।

रद्द 14 ट्रेनें बहाल : रायपुर-बिलासपुर व कोरबा लाइन की हैं गाड़ियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के जांजगीर-नैला स्टेशन पर चौथी लाइन कनेक्टिविटी के लिए किए गए नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पहले निरस्त की गई 14 यात्री ट्रेनों को बहाल कर दिया गया है। इन ट्रेनों का परिचालन यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है।

रेलवे प्रशासन ने यह निर्णय लिया है कि, कई पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन निर्धारित अवधि के

दौरान चरणबद्ध रूप से बहाल किया जाएगा। यह बहाली 19 अप्रैल से शुरू होकर 22 अप्रैल तक जारी रहेगी।

बहाल की गई ट्रेनों में गाड़ी संख्या 68737 (रायगढ़-बिलासपुर) मेमू को 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक अपने निर्धारित समय पर चलाया जाएगा। गाड़ी संख्या 68738 (बिलासपुर-रायगढ़) मेमू को भी 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक बहाल कर दिया गया। गाड़ी संख्या 68736 (बिलासपुर-रायगढ़) मेमू 19 अप्रैल से 21 अप्रैल तक और गाड़ी संख्या 68735 (रायगढ़-बिलासपुर) मेमू 20 अप्रैल से 22 अप्रैल तक संचालित होगी। गाड़ी संख्या 68746 (रायपुर-गेवरारोड) मेमू को 19 अप्रैल से 21 अप्रैल तक और गाड़ी संख्या 68745 (गेवरारोड-रायपुर) मेमू को 20 अप्रैल से 22 अप्रैल तक बहाल किया गया। गाड़ी संख्या 58204 (रायपुर-कोरबा) पैसेंजर को 19 अप्रैल से 21 अप्रैल तक दोबारा संचालित किया जाएगा। गाड़ी संख्या 58203 (कोरबा-रायपुर) पैसेंजर को 20 अप्रैल से 22 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई। गाड़ी संख्या 68734 (बिलासपुर-गेवरारोड) मेमू को 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई। गाड़ी संख्या 68733 (गेवरारोड-बिलासपुर) मेमू को 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई। गाड़ी संख्या 68732 (बिलासपुर-कोरबा) मेमू को 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई। गाड़ी संख्या 68731 (कोरबा-बिलासपुर) मेमू को 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक रिस्टोर कर दी गई।

छत्तीसगढ़ में 45 डिग्री तक पहुंचा तापमान

■ रायपुर में सामान्य से 5 डिग्री ज्यादा तापमान, आगे और तपेगा मौसम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार गर्मी बढ़ती जा रही है। शनिवार को राजनांदगांव जिले में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटे में छत्तीसगढ़ में तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। प्रदेश में मौसम पूरी तरह शुष्क बना हुआ है।

बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग के इलाकों में अगले 2 दिनों तक हीट वेव की स्थिति बनी रह सकती है। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी रायपुर में इस समय तापमान औसत से काफी ऊपर चल रहा है। अप्रैल महीने का सामान्य अधिकतम तापमान जहां करीब 39.5 डिग्री सेल्सियस होता है, वहीं अभी पारा 44 डिग्री के आसपास दर्ज किया जा रहा है। यानी शहर में सामान्य से 4 से 5 डिग्री ज्यादा गर्मी पड़ रही है। यही वजह है कि दिन के साथ-साथ रातें भी गर्म बनी हुई हैं और लोगों को असहजता महसूस हो रही है।

मैत्रीबाग में सफेद बाघ को शॉवर, गर्मी से बचाने केज में लगाए कूलर, बदली डाइट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस को पार पहुंच चुका है। ऐसे में भिलाई के मैत्रीबाग चिड़ियाघर में जानवरों को हीटवेव से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रबंधन ने सफेद बाघों सहित सभी वन्य प्राणियों के लिए शॉवर, कूलर और विशेष डाइट जैसी व्यवस्थाएं लागू की हैं।

मैत्रीबाग में मौजूद 5 सफेद बाघों को गर्मी से बचाने के लिए विशेष निगरानी रखी जा रही है। शनिवार को बाघ 'राणा' और 'सिंघम' को शॉवर दिया गया, जिससे उनके शरीर का तापमान नियंत्रित रहे। पानी की फुहार से उन्हें राहत मिल रही है और वे ज्यादा सक्रिय भी नजर आ रहे हैं।

केज में पर्याप्त पानी

सिर्फबाघ ही नहीं, बल्कि अन्य जानवरों के लिए भी खास इंतजाम किए गए हैं। सभी बाड़ों में पानी के बर्तन दिन में कई बार भरे जा रहे हैं, जिससे पानी की कमी न हो। गर्मी में जानवरों को बार-बार पानी की जरूरत होती है, इसलिए इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बाघों के केज में लगाए कूलर

प्रबंधन ने बाघों के बाड़े में कूलर भी लगाए हैं। वहीं अन्य बाड़ों में भी हाई पावर कूलर लगाए जा रहे हैं, जिससे अंदर का माहौल ठंडा रखा जा सके। कोशिश की जा रही है कि जानवरों को ऐसा वातावरण मिले, जैसा जंगल में पेड़ों की छांव और नमी से मिलता है।

बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले भी कूलर लगाए गए थे, लेकिन उन्हें हटा दिया गया था। गर्मी अभी और बढ़ने की संभावना है, ऐसे में आने वाले दिनों में अतिरिक्त इंतजाम किए जा सकते हैं। फिलहाल, प्रबंधन की कोशिश है कि चिड़ियाघर में रहने वाले हर जानवर को इस तेज गर्मी से राहत मिल सके।

संपादकीय

महिला आरक्षण गेंद विपक्ष के पाले में

राजनीति में होशियार वह होता है जो सही समय पर सही चाल चलता है ओर सामने वाले को सोचने को मजबूर कर देता है कि यह चाल चली क्यों गई हैं और इसकी काट क्या है। जब सामने वाला चाल की काट सोचता है तो लगता है कि वह सामने वाली की चाल में फंस गया है और उसकी मात तो तय हैं। महिला आरक्षण मामले में पीएम मोदी साफ कर दिया है कि वह देश की महिलाओं को जल्द से जल्द आरक्षण देना चाहते हैं, वह विपक्ष से इस मामले में सहयोग मांग रहे हैं और विपक्ष इस मामले में सहयोग करे तो उसे घाटा है और वह सहयोग न करे तो और ज्यादा घाटा है। विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और इसके लिए परिसीमन कर लोकसभा व विधासनभा का चेहरा बदलने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पर गुरुवार को लोकसभा में चर्चा हुई। बहस में सरकार की नीयत साफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण को लागू करने के लिए सभी राजनीतिक दलों को बिना कोई राजनीति किए इसका समर्थन करना चाहिए। पीएम मोदी विपक्ष ने जो जो सवाल उठाए उसका जबाव देते हुए कहा कि महिला आरक्षण के लिए लाए संविधान संशोधन से किसी राज्य के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। परिसीमन पहले जिस अनुपात में हुआ है,वह नहीं बदलेगा,इसके लिए मोदी की गारंटी चाहिए तो ले लो। उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि इस बिल को हमको कोई श्रेय नहीं चाहिए। कुछ लोगों को लगता होगा कि इसमें कहीं न कहीं मोदी का राजनीतिक स्वार्थ है,इस बिल का विरोध करेंगे तो स्वाभाविक है कि इसका लाभ मुझे होगा अगर साथ चलेंगे तो किसी का नुकसान नहीं होगा। 2023 में कहा गया था कि इस बिल को जल्दी लागू करो अब हम इसे 2029 से लागू करने वाले हैं तो इसका विरोध किंतु,परंतु व लेकिन कहकर किया जा रहा है। पीएम मोदी यह कहकर कि विपक्ष इस बिल का श्रेय ले ले लेकिन बिल का समर्थन करे। यह महिलाओं का हक है, वह महिलाओं को उसका हक दे दे। उन्होंने विपक्ष को आगाह भी किया कि जिसने भी अबतक महिला आरक्षण बिल का विरोध किया है,महिलाओं ने उसकी बुरी गत है, इसलिए इसका विरोध कोई खुले तौर पर नहीं करता है लेकिन किंतु परंतु करता है।

> “ विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और इसके लिए परिसीमन कर लोकसभा व विधासनभा का चेहरा बदलने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पर गुरुवार को लोकसभा में चर्चा हुई। बहस में सरकार की नीयत साफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण को लागू करने के लिए सभी राजनीतिक दलों को बिना कोई राजनीति किए इसका समर्थन करना चाहिए।

संसद मे ऐसा कहकर देश की महिलाओं को यह संदेश देने का काम किया है कि हम तो महिलाओं को आरक्षण जल्द से जल्द देने का प्रयास कर रहे हैं इसमें पहले भी विपक्ष ने बाधा डाली है और आज भी बाधा डालने का प्रयास रहा है। पीएम मोदी व शाह के राजनीतिक दांव को विपक्ष समझ नहीं पाता है और मोदी व शाह जैसा चाहते हैं उसका विरोध करते हैं और जनता की नजर में हर अच्छी बात का विरोधी बन कर रह जाते हैं और हर अच्छे काम का श्रेय जनता मोदी सरकार को दे देती है। महिला आरक्षण का श्रेय भी आखिर में पीएम मोदी को ही मिलेगा क्योंकि विपक्ष को मजबूरी में ही सही महिलाआरक्षण व परिसीमन का समर्थन करना होगा। मोदी तो यही चाहते हैं कि विपक्ष समर्थन करे और सरकार के साथ श्रेय ले। विपक्ष ऐसा नहीं करता है और महिला आरक्षण महिलाओं को नहीं मिलता है तो इसका फायदा भी मोदी व शाह को होगा क्योंकि वह तो पहले साफ कर चुके हैं वह तो जल्द से जल्द महिलाओं को आरक्षण देना चाहते हैं, इसके लिए संशोधन विधेयक व परिसीमन विधेयक लाया गया है। मोदी सरकार इस बात को समझती है कि वह महिला आरक्षण विधेयक व परिसीमन विधेयक अलग अलग लाती तो विपक्ष महिला आरक्षण का समर्थन करता और परिसीमन का नहीं करता। सरकार ने दोनों को जोड़ दिया है कि यानी की परिसीमन के बाद ही महिलाओं का आरक्षण का लाभ मिलेगा यदि विपक्ष परिसीमन का विरोध करता है तो महिला आरक्षण भी पास नहीं होगा। ऐसे महिलाओं का आरक्षण का लाभ मिलने का नुकसान विपक्ष को होगा और फायदा भाजपा व मोदी को होगा। अब कांग्रेस सहित विपक्ष की परेशानी यह है कि मोदी व शाह का दांव ऐसा है कि उसको दोनों तरह से मोदी से कम फायदा होगा यानी मोदी को ज्यादा फायदा होगा। मोदी राजनीतिक फायदा कैसे उठाया जा सकता इसकी योजना बहुत पहले बना लेते हैं। बहुत से लोगों को यह समझ नहीं आया कि सरकार ने ऐसा क्यों किया। असल बात यह है कि 2023 का नारीशक्तिवंदन अधिनियम पास होने के बाद अधिनियम तो बन गया था लेकिन वह लागू नहीं हुआ था, उसके लागू होने के लिए जरूरी था कि सरकार राजपत्र में उसे अधिसूचित करे।

आम की सोच को बौना बनाती 'खास संस्कृति'

विश्वनाथ सचदेव

पड़ोसी राष्ट्र नेपाल की सरकार ने विशिष्ट 'संस्कृति' वाली मानसिकता के खिलाफ आदेश दिया है कि मंत्रियों की कारों के काफिले नहीं चलेंगे, उनकी कारें सायरन नहीं बजाएंगी, यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर दंड मिलेगा। बच्चे, चाहे वे मंत्री के हों या अफसर के, सरकारी स्कूल में ही पढ़ेंगे।

खबर मध्य प्रदेश के रायसेन में सांची रोड पर हुई एक सड़क-दुर्घटना की है। इस दुर्घटना में एक पत्रकार की मृत्यु हो गयी। बताया जा रहा है कि घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए समय पर एंबुलेंस नहीं मिल पायी, अन्यथा पत्रकार की शायद जान बच सकती थी। इस तरह की कोई अनोखी घटना नहीं है यह। अक्सर होता रहता है ऐसा। अक्सर आम आदमी को एंबुलेंस-सेवा का समय पर लाभ नहीं मिल पाता। अक्सर मंत्रियों की कारों के काफिले सायरन बजाते, धूल उड़ाते आम आदमी को अंगूठा दिखाते, सड़कों पर आगे निकल जाते हैं। लाल और नीली बत्तियों वाले यह काफिले उस संस्कृति का एक चेहरा हैं जिसे आम बोल-चाल की भाषा में 'वीआईपी कल्चर' यानी विशिष्ट लोगों की व्यवस्था कहा जाता है।

राजनीति में इस व्यवस्था का चेहरा अक्सर दिख जाता है। मंत्रियों के कारों को किसी रुकावट का सामना न करना पड़े, इसके लिए आम जनता की कारें कहीं भी, और कभी भी, रोकी जा सकती हैं। सुरक्षा के नाम पर ऐसी व्यवस्था की गयी है कि किसी मंत्री की कार को 'अकेले' कहीं आना-जाना न पड़े। उनकी गाड़ी के आगे भी गाड़ियां होती हैं, पीछे भी। माना जाता है इससे शासक का रुतबा बढ़ता है!

इसी रुतबे का नाम है वीआईपी कल्चर यानी विशिष्ट जनों वाली राजनीतिक संस्कृति। इस संस्कृति की पहचान सिर्फ कारों का काफिला नहीं होती। 'बड़े लोग' कई-कई तरीकों से अपना बड़ा होना सिद्ध करने की कोशिश में लगे रहते हैं।

कथित बड़े लोगों के बच्चे सरकारी अस्पतालों में नहीं पैदा होते। उनके लिए शानदार और महंगे अस्पताल हैं। यह बच्चे सरकारी स्कूलों में भी नहीं पढ़ते। सरकारी स्कूल तो आम आदमी के लिए होते हैं। आम आदमियों के बच्चों के लिए सरकारी स्कूल हैं जहां न बच्चों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था होती है न ठीक-ठाक दिखने वाले स्कूली इमारत की। अक्सर ऐसे खस्ता हाल स्कूलों के बारे में समाचार

छपते, प्रसारित होते रहते हैं, पर स्थिति में कोई परिवर्तन आता नहीं दिखता। सरकारी अफसरों, राजनेताओं, पैसे वालों के बच्चों के लिए वीआईपी कल्चर में खास स्कूल होते हैं। खास यानी महंगे। हां, इनका महंगा होना इनकी पहली पहचान और खासियत है। माना जाता है कि इन महंगे स्कूलों की पढ़ाई भी अच्छी होती है। इस अच्छेपन की परिभाषा भी अलग-अलग होती है। एक परिभाषा यह है कि इन स्कूलों की इमारतें शानदार हों, यहां पढ़ने वाले बच्चे कारों या टैक्सियों में आयें, अच्छे कपड़े पहने हों। कक्षाएं एयरकंडीशन्ड हों। यहां पढ़ाई जाने वाली किताबें भी महंगी होती हैं और पढ़ाने वाले अध्यापक भी!

देखा जाये तो सांची रोड पर होने वाली सड़क दुर्घटना में इस महंगी शिक्षा यानी, वीआईपी कल्चर का कोई सीधा संबंध नहीं दिखता, पर रिश्ता है। यह रिश्ता आदमी को आम और खास आदमी में बांटने वाला है। खास यानी जिसके लिए खास व्यवस्था हो। आम वर्ग की तुलना में यह खास वर्ग बहुत छोटा है, पर इसका प्रभाव बहुत बड़ा माना जाता है। विडंबना यह है कि यह छोटा वर्ग समाज की सोच पर हावी ही नहीं रहता, लगातार इस कोशिश में भी रहता है कि उसका प्रभाव बड़ा हो ही नहीं, बड़ा दिखे भी। बड़ा दिखने की यह लालसा ही 'वीआईपी कल्चर' को जन्म देती, उसे पालती-पोसती है। मजे की बात यह है कि इस लालसा की अक्सर आलोचना होती है, इसे समाप्त करने के वादे और दावे भी किये जाते हैं, पर व्यवहार में ऐसा होता नहीं दिखता। दिखना चाहिए।

हमारे पड़ोसी राष्ट्र नेपाल की नयी सरकार ने एक रास्ता दिखाया है इस विशिष्ट 'संस्कृति' वाली मानसिकता को समाप्त करने का। इसी मार्च, 2026 में वहां चुनाव हुए थे। इस चुनाव के बाद एक ऐतिहासिक बदलाव आया है वहां की राजनीति में। देश के नये और युवा प्रधानमंत्री, 36 वर्षीय बालेन शाह, ने दशकों पुराने राजनीतिक दलों का वर्चस्व ही समाप्त नहीं किया, एक समतावादी राजनीतिक संस्कृति को स्थापित करने का संकल्प भी लिया है। देश में आदेश जारी कर दिया गया है कि मंत्रियों की कारों के काफिले नहीं चलेंगे, सड़कों पर दौड़ती उनकी कारें सायरन नहीं बजाएंगी, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाला चाहे कोई भी हो, उसके साथ कानून एक जैसा व्यवहार करेगा। एक बड़ा बदलाव यह भी है कि अब नेपाल में बच्चे, चाहे वे मंत्री के हों या संत्री के, सामान्य कर्मचारियों के अथवा किसी अफसर के, सरकारी स्कूल में ही पढ़ेंगे। वीआईपी कल्चर को समाप्त करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, और यदि सफल हो जाता है तो छोटा-सा देश नेपाल समतावादी समाज की रचना की दिशा में एक बड़ा उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

अक्सर इस तरह की लोक-लुभावन घोषणाएं शासक-वर्ग करता है। हमारे देश में भी कई बार इस तरह की घोषणाएं होती रही हैं, पर देखा यह भी गया है कि जल्दी ही घोषणाएं भुला दी जाती हैं। कुछ साल पहले ही जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी, तो बड़े जोर-शोर से यह घोषणा हुई थी कि आम आदमी पार्टी के मंत्री बड़ी-बड़ी कारों में नहीं चलेंगे, बड़े बंगलों में नहीं रहेंगे। उनके बच्चे आम सरकारी स्कूलों में शिक्षा पायेंगे, उनके इलाज सरकारी अस्पतालों में होंगे। पर जल्दी ही इन घोषणाओं का मुलम्मा उतर गया। मंत्री बड़े-बड़े बंगलों में पहुंच गये, तीन कमरों के मकान में रहने वाले मुख्यमंत्री के लिए 'शीशमहल' बन गया। लालबत्ती वाली कारों के काफिले सड़कों पर दौड़ने लगे। पार्टी का नाम भले ही आम आदमी से जुड़ा हो, पर सरकार 'खास संस्कृति' वाली ही बनी रही। आवश्यकता है इस खास संस्कृति की मानसिकता के खिलाफ उठ खड़े होने की।

सही मायनों में बीमार है यह मानसिकता। यह मानसिकता आम आदमी की सोच को बौना बनाती है। इसी बौनेपन का एक उदाहरण यह है कि सरकारी स्कूल बंद होते जा रहे हैं और महंगे निजी स्कूल कुकुरमुत्तों की तरह उग रहे हैं, फल-फूल रहे हैं। शहरों में ही नहीं, गांवों तक में 'इंटरनेशनल' स्कूल खुल रहे हैं! इस इंटरनेशनल का क्या मतलब है, यह वही जानें, पर यह जानना हम सबके लिए ज़रूरी है कि यह 'वीआईपी कल्चर' हमारे समाज को भीतर ही भीतर खोखला बना रहा है। सवाल सिर्फ आर्थिक विषमता का ही नहीं है, सामाजिक विषमता के चलते टुकड़ों में बंटता चला जा रहा है हमारा समाज। इस बंटवारे को रोकना ही होगा।

इस दिशा में हमारे पड़ोसी देश नेपाल की कोशिशें आश्वासन देने वाली हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह कोशिशें सफल होंगी। ऐसी कोई भी सफलता हमारे लिए मार्ग-दर्शन का काम कर सकती हैं। हमें सीखना ही होगा कि प्रधानमंत्री के काफिले के पास से किसी एंबुलेंस को गुजार देना मात्र ही वीआईपी संस्कृति का नकार नहीं है। समता का दर्शन हमारी सोच का एक आधार बनना चाहिए। मंत्रियों को अहसास होना चाहिए कि लालबत्ती वाली कारों के काफिले उन्हें बड़ा नहीं बनाते, बड़ा उन्हें यह सोच बनायेगी कि वे एक ऐसे देश के नागरिक हैं जो मनुष्य की समानता और एकता में विश्वास करता है। और आम नागरिक को भी यह समझना होगा कि बड़ा होने और बड़ा दिखने में अंतर होता है। लालबत्ती वाली संस्कृति हमें बड़ा नहीं, छोटा बनाती है। यह हमें तय करना है कि हम छोटा बनना चाहते हैं या बड़ा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सरगुजा की रामगढ़ पहाड़ी पर स्थित है एशिया की प्राचीनतम नाट्यशाला

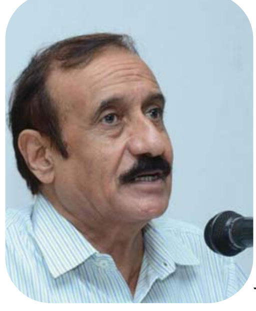

डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर से 60 किलोमीटर दूर स्थित है रामगढ़ पहाड़ी एक रामगढ़ पहाड़ी पर दो गुफाएं हैं; एक सीताबेंगरा और दूसरी जोगीमारा द्य रामगढ़ की पहाड़ी को 'रामगिरी' भी कहा जाता है क्योंकि यह लोक मान्यता है कि भगवान राम ने बनवास के दौरान इस पहाड़ी पर कुछ समय बिताया था द्य उत्तरी गुफा को सीताबेंगरा अर्थात सीता का कमरा माना जाता है द्य

तीसरी-दूसरी शताब्दी (ईसा पूर्व) काल की मानी जाने वाली सीताबेंगरा वास्तव में नाटक, गीत और काव्य पाठ के प्रदर्शन के लिए बनी जगह थी द्य सामने मंच और पीछे दर्शकों के बैठने की व्यवस्था की इसकी बनावट यूनानी रंगमंच जैसी है द्य पास में स्थित जोगीमारा गुफा उन कलाकारों का विश्राम स्थल रही होगी, जो सीताबेंगरा में प्रदर्शन करते थे द्य (पुरातत्ववेत्ता डॉ थियोडोर ब्लोज, 1904) 1 प्राचीन भित्तिचित्रों के लिए प्रसिद्द जोगीमारा गुफा में ब्राह्मी लिपि में लिखे गए अभिलेख में प्रेम, भक्ति और कला की झलक मिलती है यह भारत के अब तक ज्ञात सबसे

पुराने भित्तिचित्र माने जाते हैं; हालाकि यह चित्र समय और नमी से ख़राब हो चुके हैं पर अभी भी इनमें पेड़, हाथी, रथ और नृत्य करती हुई नारियां को चित्रों में पहचाना जा सकता हैं द्य चित्रों में लाल, पीले और दूसरे रंगों का प्रयोग हुआ है जो मौर्य कालीन कला की परंपरा का संकेत देते हैं। इन चित्रों की प्रतिलिपियां तैयार करने वाले अध्येता असित कुमार हलधर (1914) के निष्कर्ष के अनुसार यह भित्तिचित्र दो अलग-अलग कालखंडों के हैं, पहले तीसरी-दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व का अत्यंत परिष्कृत चित्रण कार्य और दूसरा, कई शताब्दियों के बाद का अपेक्षाकृत साधारण चित्रण हलधर के अनुसार जोगीमारा की दीवारों पर 'सुतनुका का नृत्यगृह' शब्द का उल्लेख है द्य शिलालेख में उल्लेख है कि सुतनुका नामक देवदासी ने इस स्थल को नारियों के विश्राम स्थल के रूप में बनवाया था द्य इससे यह अनुमान लगाया जाता है कि जोगीमारा गुफा सीताबेंगरा में नृत्य प्रदर्शन करने वाली स्त्रियों का विश्राम स्थल रही होगी।

1848 में लेफ्टिनेंट कर्नल जे आर ओसले ने रामगढ़ गुफाओं का पहला उल्लेख करते हुए पहाड़ी की चोटी पर स्थित मंदिर और एक बड़ी सुरंग का वर्णन किया। लेफ्टिनेंट-कर्नल टी डाल्टन 1863-64 में और उसके बाद वी वॉल ने 1872 में रामगढ़ की पहाड़ियों का सर्वेक्षण किया। 1874-75 में जेड वैगलर ने इन्हें रामायण के चित्रकूट से जोड़ा अलेक्जेंडर कनिंघम ने 1871 में शिलालेख प्रकाशित कर बताया कि एक मूर्तिकार देवदीना ने किसी देवदर्शिन व्यक्ति नामक व्यक्ति के लिए यह लेख उकेरे हैं द्य दिसंबर 1964 में भारत सरकार ने इन गुफाओं को राष्ट्रीय महत्व का मानते हुए इन्हें संरक्षित क्षेत्र घोषित कर दिया था। रामगढ़ की पहाड़ी को यहां का आदिवासी समुदाय इस 'देव पहाड़' कहते हैं यह स्थानीय जनजाति समाज की आस्था का प्रतीक भी है। उनके लिए यह कोई पत्थर नहीं बल्कि एक जीवित देवता है। राम जानकी मंदिर भी है यह बहु-प्रचलित मान्यता है कि राजा भोज की उज्जयनी को छोड़ कर महाकवि कालिदास ने यहाँ आकर इसी रामगढ़ की पहाड़ी को अपना आश्रय बनाया था और यहीं पर उन्होंने अपने महाकाव्य 'मेघदूतम' की रचना की थी। आषाढ़ के पहले दिन यहां बादलों की पूजा अर्चना की जाती है। इस दिन आसपास के गांवों के आदिवासी यहां पूजा करने आते हैं। राज्य सरकार ने महाकवि कालिदास की प्रतिमा भी यहाँ स्थापित की है, जिसमे महाकवि कालिदास अपने हाथ में 'मेघदूतम' लिए हुए हैं।

(लेखक सेवानिवृत प्रोफेसर और इंटेक के आजीवन सदस्य हैं)

सिद्धांतप्रिय सदाचारी भगवान परशुराम

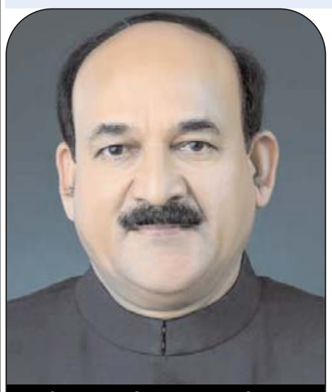

विजय मिश्रा 'अमित'

20अप्रेल परशुराम जयंती पर विशेष

महापराक्रमी परशुराम श्रीहरि विष्णु भगवान के छठवें अवतार हैं। उनका जन्म वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र में रात के प्रथम प्रहर में हुआ था। भृगुऋषि कुल में जन्मे परशुराम जी का मूल नाम राम था। उनकी माता रेणुका और पिता ऋषि जमदाग्नि थे। भगवान शिव की कठोर तपस्या परशुराम जी ने की थी। जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अनेक अस्त्र-शस्त्र दिए थे। जिनमें सर्वाधिक शक्तिशाली अस्त्र था फरसा जिसे संस्कृत में 'परशु' कहा जाता है। परशु को धारण करने के कारण ही वे परशुराम के नाम से विख्यात हुए।

सरगुजा का कलचा गांव है जन्मभूमि

जनश्रुति ऐसी भी है छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में स्थित कलचा गांव के 'सतमहला' में परशुराम जी का जन्म हुआ था। अनेक इतिहासकारों का यह भी कहना है कि मध्य प्रदेश के महू शहर निकट स्थित विंध्याचल पर्वत पर 'जाना पाव कुटी' में परशुराम जी का जन्म हुआ था। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान परशुराम को भगवान शिव से अमरता का वरदान प्राप्त है। वे आज भी उड़ीसा के महेंद्र गिरी पर्वत पर तपस्यारत हैं। त्रेता युग में राम, द्वापर में द्रोण, कर्ण को उन्होंने शिक्षा दी थी कलयुग में भगवान विष्णु के दसवें अवतार 'कल्कि' अवतरित होंगे। उनको शस्त्र अस्त्र की विद्या परशुराम जी ही देंगें ।

मार्शल आर्ट के जनक

भगवान परशुराम ने समुद्र की अथाह गहराई से भूमि को उठाकर उसी भूमि में कोंकण और केरल को स्थापित किया था। वहां प्रचलित प्राचीन

युद्ध कला 'कलरिपयट्टू' के वे जनक हैं। यह युद्ध कला जनमन के बीच 'मार्शल आर्ट' के नाम से प्रसिद्ध है।

परशुराम के क्रोध का कारण

परशुराम को उनके क्रोधी स्वभाव के कारण भी जाना जाता है। आम बोलचाल में किसी महा क्रोधी व्यक्ति को परशुराम की ही संज्ञा दी जाती है। परशुराम जी का क्रोध सीख देता है कि बेवजह अपमान के समय चुप रहना, आंख कान बंद कर लेना गुनीजनों के लिए अशोभनीय है। गलत को गलत कहने की हिम्मत नहीं करने पर दुनिया ऐसे व्यक्ति को कायर कहती है। पौराणिक ग्रंथों में उनके क्रोधित होने की एक बड़ी घटना 'सीता स्वयंवर' का उल्लेख मिलता है। जनकपुरी में आयोजित सीता स्वयंवर में राजा जनक ने शर्त रखी थी कि जो भी बलशाली पुरुष भगवान शिव के धनुष को तोड़ने में सफल होगा राजकुमारी सीता उसे ही वरमाला पहनाएंगी। स्वयंवर में अयोध्या के राजकुमार राम ने भगवान शिव के धनुष को तोड़ दिया था। इसे भगवान शिव का घोर अपमान कहते हुए परशुराम जी प्रचंड ज्वाला की तरह क्रोधित हुए थे। इस घड़ी में राम जी के अनुज लक्ष्मण ने व्यंग्य पूर्ण संवाद करके क्रोध को भड़काने में आग में घी की तरह काम किया था। उनके भंयकर क्रोध को श्री राम ने मधुर मर्यादापूर्ण संवाद और आचरण से शांत किया था।

परशुराम के पराक्रमी शिष्य

महाभारत काल में उनके तीन महासूरवीर शिष्य थे। जिनमें पहले शिष्य भीष्म थे। भगवान परशुराम जी ने ही उन्हें अस्त्र शस्त्रों का ज्ञान दिया था। भीष्मधनुष की टंकार से बादल भी फट जाया करते थे। हस्तिनापुर के महाराजा शांतनु और माता गंगा के वे पुत्र थे। उनका बालपन में देवदत्त नाम था। उन्होंने आजीवन ब्रह्मचर्य रहने की भीष्म (अटूट अटल) प्रतिज्ञा की थी। इसलिए वे भीष्म के नाम से विख्यात हुए। उन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान प्राप्त था। परशुराम जी के दूसरे महापराक्रमी शिष्य द्रोणाचार्य थे। उन्हें धनुर्विद्या में महारत हासिल था। परशुराम ने शस्त्रों -दिव्यास्त्रों का जो ज्ञान दिया था, उससे महागुरु द्रोणाचार्य समूची सृष्टि को भस्म कर सकते थे। कुरूवंश अर्थात कौरव-पाण्डव कुल के वे राजगुरु थे। महाभारत काल के उनके तीसरे महावीर शिष्य कर्ण थे। उनकी माता कुंती और पिता सूर्य देव थे। कवच और कुंडल को लिए हुए कर्ण का जन्म हुआ था। पौराणिक कथाओं में उल्लेख मिलता है कि कर्ण के पास कवच और कुंडल के रहते हुए उन्हें कोई युद्ध में पराजित नहीं कर सकता था। कर्ण ने परशुराम से धनुर्विद्या की शिक्षा छल करके (अपनी असल जाति को छुपा) कर ली थी, इसीलिए उन्हें श्राप मिला था आवश्यकता के समय वे अपनी धनुर्विद्या को विस्मृति कर जाएंगे। भगवान परशुराम जी के जीवन से दया क्षमा सदाचरण न्याय और बड़े के प्रति आदर भाव को बनाए हुए छल कपट से दूर रहने की शिक्षा मिलती है।

सचमुच अमेरिका में भी है एक पनौती!

इससे पता चलता है कि पनौती हमारे यहीं नहीं, उधर भी होती हैं। लोग बता रहे हैं कि वहां मीम्स बनने लगे हैं। चुटकले बनने लगे हैं। अखबार मजे लेने लगे हैं। सब कह रहे हैं कि जेडी वैंस पनौती है भैया बचके रहना।

इधर का तो पता नहीं जी, पर लगता है उधर एक पनौती जरूर है। नहीं-नहीं, हम पाकिस्तान की बात नहीं कर रहे क्योंकि वह अमेरिका और ईरान में युद्धविराम नहीं करवा पाया। हमारे विदेश मंत्री ने तो पाकिस्तान को पहले ही दलाल करार दे दिया था। युद्धविराम कराने वालों को पहली बार यह तमगा मिला था। पाकिस्तान चाहे तो इस पर सचमुच गर्व कर सकता है कि आखिर भारत ने उसे दलाल तो माना। वरना तो अभी तक हम उसे एक दुष्ट राष्ट्र ही मानते रहे हैं। जी, आडवाणीजी उसे यही मानते थे। लेकिन अब वह यह दलील दे सकता है कि बताओ कभी कोई दलाल आतंकी करतूत करता है भला। खैर, पाकिस्तान को दलाल देश कहकर हम एकदम दूध से नहाकर निकल गए। कुछ इसी तरह की संत मुद्रा में कि जो दे उसका भी भला और न दे उसका भी भला। युद्धविराम हो तो ठीक, न हो तो ठीक। सानूं की? खैर, उसे छोड़ो! असल बात यह है कि युद्धविराम नहीं हुआ। बातचीत विफल हो गयी। अमेरिकी अपने घर लौट गए और ईरानी अपने घर लौट गए। पाकिस्तानियों ने खासतौर से इसके लिए राहत की सांस ली कि ईरानी सुरक्षित वापस लौट गए।

वरना तो इस्राइलियों का क्या भरोसा, रास्ते में खत्म कर देते यार! भई वे करते रहे हैं न ऐसा। लेकिन हो सकता है कि बातचीत टूटने की खुशी में वे ऐसा नहीं कर पाए हों। कहते हैं कि बातचीत टूटने से अगर दुनिया का कोई देश सबसे ज्यादा खुश है तो वह इस्राइल ही है। वैसे हमारे टीवी चैनलों के एंकर भी कम खुश नहीं हैं। लेकिन उन्हें तो अलग दुनिया के जीव मानना ही बेहतर होगा। खैर, अब दुनिया का तो जो होगा सो होगा, पर बेचारे जेडी वैंस का क्या होगा? अमेरिका वाले उन्हें पनौती कहने लगे हैं। इससे पता चलता है कि पनौती हमारे यहीं नहीं, उधर भी होती हैं। लोग बता रहे हैं कि वहां मीम्स बनने लगे हैं।

चुटकले बनने लगे हैं। अखबार मजे लेने लगे हैं। सब कह रहे हैं कि जेडी वैंस पनौती है भैया बचके रहना। ट्रंप ने उन्हें ईरानियों के लिए चुनौती बनाकर भेजा था, पर वे पनौती बनकर लौट गए। अमेरिका वाले कह रहे हैं कि वे पोप से मिलने गए तो पोप जा लिए। वे हंगरी में डिक्टेटर विक्टर ऑर्बान का चुनाव प्रचार करने गए तो ऑर्बान हार गए। वे ऑर्बान का चुनाव प्रचार करने शायद इसलिए गए थे क्योंकि ट्रंप, ऑर्बान को भी माई डीयर फ्रेंड कहते थे, वैसे ही जैसे वे हमारे मोदीजी को माई डीयर फ्रेंड कहते हैं। फिर वे ईरान से शिखर वार्ता के लिए इस्लामाबाद गए और बातचीत विफल हो गयी। अब इसका दोष ट्रंप पर तो कौन लगाए, किसकी हिम्मत। सो बेचारे जेडी वैंस पनौती बन गए। नहीं क्या?

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

अंबेडकर जयंती पर वंचित समुदाय को कराया भोजन

भिलाई। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर अखिल भारतीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति रेलवे संगठन शाखा विद्युत लोको शेड भिलाई की ओर से गरीब और वंचित समुदाय को पावर हाउस भिलाई में एवं दुर्ग रेलवे स्टेशन में भरपेट भोजन कराया गया। इस अन्नदान कार्यक्रम में जोनल कार्यकारी अध्यक्ष जी. चंद्रशेखर, मंडल वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश डोंगरे, मंडल सह सचिव विजय मूर्मू, शाखा अध्यक्ष ठंडी राम मीणा, शाखा सचिव संजय कुमार मेश्राम, शाखा कोषाध्यक्ष रवि कुमार, शाखा उपाध्यक्ष राज कुमार, शाखा उपाध्यक्ष संजय कुमार, शाखा कार्यालय सचिव अजय तांती ,अनूप शिखर, हेमराम, दीपक कुमार और जे.डी. खान की उपस्थिति रही।

आवासीय विद्यालय में नि:शुल्क पढ़ाई के लिए आवेदन 23 तक

दुर्ग। आवासीय विद्यालय में नि:शुल्क पढ़ाई के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 23 अप्रैल को है। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति /जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत विद्यार्थी को कक्षा 6वीं से 12वीं तक राज्य में स्थित उत्कृष्ट आवासीय विद्यालय में अध्ययन की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। सभी प्रस्ताव रूचि की अभिव्यक्ति के प्रारूप में कलेक्ट्रेट जिला दुर्ग, सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग के कार्यालय (कमरा नं. 25) में जमा करना होगा। अंतिम तिथि-23 अप्रैल शाम 5 बजे तक है।

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती हेतु आवेदन 01 मई तक

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 1 के अंतर्गत स्वीकृत पदों की पूर्ति के लिए 1 मई तक ई-भर्ती पोर्टल https://aww.e-bharti.in/ पर आंगनबाड़ी केन्द्र गांधी चौक, सुन्दर नगर कोहका और पुरैना-अ में आंगनबाड़ी सहायिका के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। वहीं एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 2 के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र हथखोज-ब वार्ड क्रमांक-02 में सहायिका के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। अधिक जानकारी के लिए भिलाई 1 और 2 में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

रुक्खड़नाथ मंदिर के सौन्दर्यीकरण की मांग

भिलाई। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 4 में सरपंच संवाद का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के सभी सरपंचों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस संवाद कार्यक्रम में सरपंचों को जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे से सीधे संवाद करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं, विकास से जुड़े मुद्दे और आवश्यकताओं को विस्तार से रखा। इसी दौरान नारधा ग्राम के सरपंच द्वारा रुक्खड़नाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण का मुद्दा उठाया गया। इस पर अध्यक्ष बंजारे ने जानकारी दी कि उन्होंने इस विषय में संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल से चर्चा की है। यह एक ऐतिहासिक स्थल है जिसका उन्नयन किया जाना चाहिए।

बीएसपी में हिन्दी फिल्मी गीतों के माध्यम से राजभाषा के प्रचार-प्रसार पर संगोष्ठी सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर सेवाएँ भवन सभागार में 17 अप्रैल 2026 को हिन्दी फिल्मी गीतों का योगदान, राजभाषा के प्रसार में विषय पर एक विचारोत्तेजक राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ उप महाप्रबंधक (नगर सेवाएँ) राघवेन्द्र गर्ग के सानिध्य में अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ।

संगोष्ठी में अतिथि द्वय के रूप में उप महाप्रबंधक (एचआर माइंस) यशवन्त कुमार साहू तथा उप प्रबंधक (सं एवं प्रशा-राजभाषा) जितेन्द्र दास मानिकपुरी उपस्थित रहे।

यशवन्त साहू ने वर्ष 1913 से 2023 तक के हिन्दी फिल्मी गीतों, भजनों एवं गजलों के माध्यम से हिन्दी भाषा के प्रसार के विविध आयामों को गहनता से प्रस्तुत किया। उन्होंने हिन्दी भाषा की समावेशी क्षमता को रेखांकित करते हुए बताया कि किस प्रकार फिल्मी गीतों ने जन-जन तक हिन्दी को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संगोष्ठी में वक्तागण केदारनाथ सोनबेर, समरजीत दत्ता, लक्ष्मीनारायण दुबे, आर. शेषाद्रि अय्यर, नन्दकिशोर बोरकर एवं वर्चला शर्मा ने क्रमशः 10 से 15 मिनट के अपने पूर्व-पंजीकृत वक्तव्यों में हिन्दी फिल्मी गीतों के माध्यम से अन्तर्राज्यीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लोगों के जुड़ाव को विस्तारपूर्वक समझाया।

वक्ताओं ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि पुराने हिन्दी फिल्मी गीत कहावतों, मुहावरों एवं भाषा की शुद्धता को समझने का सशक्त आधार प्रस्तुत करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन विभागीय हिन्दी समन्वय अधिकारी मुकुन्द दास मानिकपुरी ने किया। उन्होंने कहा कि भक्ति एवं प्रेम से ओत-प्रोत संत कबीर के रहस्यमय भजनों को फिल्मी गीतों के माध्यम से समझने में अत्यधिक सहायता मिलती है, जिसका लाभ हिन्दी साहित्य के शोधार्थियों ने प्रभावी रूप से उठाया है। कई धार्मिक परम्पराओं एवं पर्वों के अज्ञात या परिवर्तित कारणों को समझने में भी फिल्मी गीत सहायक सिद्ध होते हैं।

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में अतिथियों को सम्मानित किया गया, वक्ताओं को पुरस्कृत किया गया तथा अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने वाले श्रोताओं को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। महाप्रबन्धक (पीएचडी- प्लानिंग-समन्वय) के के यादव द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। अंत में उप प्रबन्धक नन्द किशोर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

पशु-पक्षियों के लिए रखें पानी का सकोरा, योग केंद्र की अपील

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नैसर्गिक योग चिकित्सा केन्द्र ने ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए सभी गृहस्थों से अपील की है कि वे पशु-पक्षियों के लिए अपने निवास के आसपास पानी का सकोरा अवश्य रखें। संभव हो तो इनके भोजन की भी व्यवस्था करें।

कैलाश नगर स्थित नैसर्गिक योग चिकित्सा केंद्र में स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन सुबह और शाम योग, ध्यान एवं मेडिटेशन की कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। इन कक्षाओं में योगाभ्यास, प्राणायाम, ध्यान तथा स्वस्थ जीवनशैली से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही है, जिससे सभी आयु वर्ग के लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

इसके अलावा पशु-पक्षियों के लिए पानी का सकोरा रखा गया, योगी बहनों के लिए मटके की व्यवस्था की गई तथा गर्मी से बचाव और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से बेल का पौधा लगाया गया। अध्यक्षता लक्ष्मी हिरवानी ने की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बहन वर्षा रहीं। कार्यक्रम का संचालन उमा यादव ने किया। योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का सतत प्रयास किया जा रहा है।

अंबेडकर जयंती पर शिवजी अर्पण सेवा समिति ने स्कूली बच्चों को पाठ्य सामग्री का किया वितरण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जुनवानी भिलाई में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में स्कूली बच्चों को पाठन सामग्री का वितरण किया गया। यह कार्य शिवजी अर्पण सेवा समिति द्वारा किया गया।

इस दौरान कक्षा पहली से पांचवीं तक पढ़ने वाले बच्चों को एक कॉपी, पेंसिल पेन, रबर, कटर, स्केल और छोटा बैग प्रदान किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संविधान के प्रस्तावना का वाचन किया गया। इस अवसर पर रोहन मून, कैलाश, रोमा वैद्य, कृष्णा चौहान, हेमलता, हेमा, सुहानी, गरिमा, मीनाक्षी साहू, हेमलाल केवंट, शैल कुमार, महेश पॉल, मोनिका मुखर्जी, विजयश्री तिवारी मौजूद थे। प्राचार्य वर्षा ठाकुर ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवनी पर प्रकाश डाला, साथ ही इस प्रेरक पहल के लिए शिवजी अर्पण सेवा समिति को जुनवानी विद्यालय परिवार ने धन्यवाद दिया।

चिकित्सा शिक्षा के लिए सुशील देशमुख की पार्थिव काया समर्पित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भेलवा तालाब, कोहका निवासी स्वर्गीय सुशील देशमुख का मरणोपरांत देहदान किया गया। उनका पार्थिव शरीर एम्स रायपुर को समर्पित किया गया, जिससे भविष्य के चिकित्सकों के प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

स्व. सुशील देशमुख ने अपने जीवनकाल में ही अपनी पत्नी सावित्री देशमुख के साथ देहदान का संकल्प लिया था। गत वर्ष उन्होंने 'प्रनाम' संस्था के अध्यक्ष पवन केसवानी के माध्यम से देहदान की विधिवत वसीयत जारी की थी। उनके निधन की सूचना मिलते ही परिजनों ने 'प्रनाम' संस्था को अवगत कराया, जिसके बाद संस्था के सहयोग से पूरे सम्मान और गरिमा के साथ देहदान की प्रक्रिया संपन्न करवाई गई।

इस पुनीत कार्य में परिवार के सदस्यों—राकेश देशमुख, विनय देशमुख, कमलाबाई, सावित्री देशमुख, मान्या देशमुख, राधाबाई, रेखा बाई, ज्ञान देशमुख, बलराम देशमुख सहित अन्य परिजनों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। साथ ही समाज के अन्य लोगों में मनीष देशमुख भगत, राम सोनी, डोमेन देशमुख, राजू अमृत, करणवीर, मेहुल देशमुख, मयंक देशमुख, पल्लवी देशमुख उपस्थित रहे। 'प्रनाम' संस्था के स्वयंसेवक पवन केसवानी, राजेश चौधरी एवं गौरव केसवानी ने भी इस प्रक्रिया में विशेष योगदान दिया।

उल्लेखनीय है कि 'प्रनाम' संस्था पिछले 18 वर्षों से छत्तीसगढ़ में देहदान और अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य कर रही है। अब तक संस्था द्वारा 2169 लोगों की देहदान की वसीयतें विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में दर्ज करवाई जा चुकी हैं। इनमें से 230 लोगों की पार्थिव देह समर्पित की जा चुकी है।

संस्था ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे भी इस महान कार्य में सहभागी बनें और समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बनें। देहदान एवं अंगदान से जुड़ी जानकारी या पंजीकरण के लिए इच्छुक व्यक्ति 'प्रनाम' संस्था के हेल्पलाइन नंबर 9479273500 पर संपर्क कर सकते हैं।

दुर्ग नगर निगम के कर्मचारियों में छाई खुशी की लहर

- आयुक्त ने जारी की 5 करोड़ की लंबित उपादान जीपीएफ एनपीएस और अवकाश नगदीकरण की राशि
- 2.26 करोड़ राशि खातों में अंतरित, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी मिला लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग द्वारा अधिकारी एवं कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए लंबित जीपीएफ एवं एनपीएस की राशि का भुगतान कर दिया गया है।

आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशन में मई 2025 से फरवरी 2026 तक के 10 माह की राशि, लगभग 2 करोड़ 26 लाख रुपये, संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों के खातों में अंतरित की गई।

इसके साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हित में भी निगम प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। लगभग 1.5 करोड़ रुपये की उपादान (ग्रेच्युटी) राशि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के खातों में जमा की गई है, जिससे उन्हें आर्थिक राहत मिली है।

अवकाश नगदीकरण के संबंध में भी आयुक्त द्वारा तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों के खाते में 66.50 लाख जमा कर दिया गया. तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों सहित प्रथम एवं द्वितीय वर्ग के अधिकारियों के अवकाश नगदीकरण की राशि सोमवार को उनके खातों में जमा कर दी जाएगी। इन सभी सकारात्मक पहलुओं से निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों में संतोष एवं खुशी का माहौल है।

स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय मिश्रा, महामंत्री अनिल सिंह, शशिकांत यादव, ईश्वर वर्मा, योगेंद्र वर्मा सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने आयुक्त सुमित अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस निर्णय से कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है और निगम प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

जनगणना की तैयारियों पर आयुक्त ने ली बैठक

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग में जनगणना-2027 की तैयारियों के तहत निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल की अध्यक्षता में डाटा सेंटर में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोडल अधिकारी, प्रभारी अधिकारी (जनगणना) एवं चार्ज अधिकारियों की उपस्थिति में जनगणना कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि नागरिकों की सुविधा हेतु स्व-गणना (Self Enumeration) की व्यवस्था आधिकारिक पोर्टल https://se.census.gov.in पर 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक उपलब्ध है। इसके माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया और अधिक सरल एवं पारदर्शी बनेगी।

आयुक्त सह प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी श्री अग्रवाल ने निर्देश दिए कि जनगणना कार्य पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वार्डवार घर-घर जाकर नंबरिंग सुनिश्चित करें और ध्यान रखें कि कोई भी घर छूटने न पाए। आमजन की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। निगम के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को स्व गणना करने हेतु आदेशित किए

आयुक्त ने डाटा सेंटर में कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रगणकों को जनगणना किट, निर्देश पुस्तिका एवं आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में उपायुक्त व चार्ज अधिकारी मोहेंद्र साहू, गिरीश दीवान, संजय ठाकुर, राजेन्द्र ढबाले, आरके बोरकर, दुर्गेश गुप्ता, एसके केवलानी, हरिशंकर साहू, पंकज साहू, करण यादव, अपर्णा मिश्रा, उपयन्ति ठाकुर, प्रेरणा दुबे, सिद्धार्थ शर्मा, नारायण यादव, पंकज चन्द्रवंशी एवं गौतम साहू सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव में विदाई समारोह

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों की पहली एवं प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड सेक्टर-6 ने एक गरिमामय आयोजन में अपने सेवानिवृत्त सदस्यों के सम्मान में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें माह मार्च अथवा उसके पूर्व भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से निवृत्त हुए सदस्यों को ससम्मान विदाई दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सोसायटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने सेवानिवृत्त सदस्यों का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान कर सोसायटी में जमा उनकी निधियों का खातादेय चेक प्रदान किया। इस दौरान मिश्र ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सोसायटी ने बीएसपी कर्मियों के बीच अपनी एक अलग पहचान बनाई है,वह सभी वरिष्ठ कर्मियों की बदौलत है। इस अवसर पर उन्होंने सभी सम्मानित सदस्यों के स्वस्थ,सुखमय एवं समृद्ध सेवानिवृत्त जीवन की कामना की।

आयोजन में रिटायर कर्मियों ने सेक्टर-6 सोसाइटी के कामकाज की खुल कर सराहना की। इन वरिष्ठ कर्मियों ने समवेत स्वर में कहा कि यहां ऋण वितरण और डिविडेंड देने का सिस्टम बेहतरीन है। इन रिटायर कर्मियों में वाटर मैनेजमेंट के सुनील कुमार रावत सहित कई अन्य ने भी सोसाइटी की कार्यप्रणाली और स्टाफ के व्यवहार की सराहना की। अपने अनुभव बांटते हुए इन पूर्व कर्मियों ने कहा कि यहां लोन बिना किसी देरी के शीघ्र मिलता रहा और किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं रही।

इस अवसर पर रिटायर कर्मियों में मानव संसाधन विकास विभाग से डेनिस क्रिस्टी, रिफ्रैक्टरीज इंजीनियरिंग विभाग से राधेश्याम, स्टोर्स से देवानंद साहू, सिंटर प्लांट-2 से विजय कुमार, पावर सिस्टम से गुरुदत्त देशपांडे, सीईटी से एमवीएस गुरुनाथ, बिजनेस एक्सीलेंस से सुनील देशमुख, प्लांट गैरेज से पीतांबर लाल, ओएचपी से पतिराम ठाकुर, ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑर्गेनाइजेशन से महेंद्र सिंह, जनरल एस्टेब्लिशमेंट डी कामराजू, दल्ली माइंस से राजेंद्र सिंह,एसएमएस-2 वाई दिलेश्वर राव,प्लांट गैरेज से हेमेंद्र कुमार सोनवा, मर्चेंट एंड वायर रॉड मिल से गोपीचंद,स्टोर्स से अनंतराम रमेश, एलएनडीपी से धर्मदास, आदि को विदाई दी गई।

चूना पत्थर के लिए 1500 साल पुराने गांव के ड्रोन सर्वे का विरोध, छोड़ना पड़ेगा गांव

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। धमधा ब्लॉक के दानी कोकड़ी गांव में लाइम स्टोन मिला है। इस वजह से राज्य सरकार पूरे गांव का ड्रोन सर्वे करवा रही है, लेकिन ग्रामीण इसका विरोध कर रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक 1200 एकड़ में फैला उनका गांव करीब 15 सौ वर्ष पुराना है। यहां की आबादी करीब 1800 है। चूना खदान खोलने की अनुमति दी गई तो उन्हें मजबूरन गांव छोड़ना पड़ेगा।

इससे उनकी खेती पूरी तरह नष्ट हो जाएगी। ग्रामीणों ने दावा किया है कि चूना खदान खोलने की प्रक्रिया वर्ष 2003 से चल रही है, जिसके खिलाफ वे लंबे अरसे से लड़ाई लड़ रहे हैं। इसके बाद भी शासन-प्रशासन सुनवाई नहीं कर रहा है। यही वजह है कि ड्रोन और डीजीपीएस सर्वे की अनुमति एक निजी कंपनी को दे दी गई है। 15 अप्रैल से निजी कंपनी ने सर्वे का काम भी शुरू कर दिया था, लेकिन विरोध के कारण शनिवार को काम बंद कर वापस लौट गई है।

ग्रामीणों के अनुसार, कई बार ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित कर चूना खदान का विरोध किया गया। साथ में खदान के लिए जो पट्टा जारी किया गया है, उसके खिलाफ भी प्रस्ताव ग्राम सभा में पारित हो चुका है। 16 अप्रैल को फिर से प्रस्ताव पारित कर सभी अधिकारियों को जानकारी दी गई है। गांव के पंच खिलावन, अश्वनी, रामसुख समेत सैकड़ों ग्रामीण शनिवार को भी गांव में ड्रोन सर्वे का विरोध करने जुटे थे। ड्रोन सर्वे कंपनी के कर्मचारी ने बताया कि धमधा ब्लॉक के कई गावों का सर्वे होगा।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर मिले दो प्रतिष्ठित पुरस्कार

आयुष्मान भारत योजना में छत्तीसगढ़ को मिला राष्ट्रीय सम्मान राज्य की पारदर्शी, जवाबदेह और जनकेन्द्रित स्वास्थ्य व्यवस्था का प्रमाणः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभावी, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा 17 एवं 18 अप्रैल 2026 को पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित चिंतन शिविर में देश के सभी राज्यों के मध्य छत्तीसगढ़ को बड़े राज्यों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य (Best Performing Large State) के रूप में दो प्रतिष्ठित श्रेणियों में सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ को 'हाई ट्रिगर एफिक्सी' श्रेणी में संदिग्ध क्लेम की सटीक पहचान और उनके प्रभावी विश्लेषण के लिए तथा 'टाइमली प्रोसेसिंग ऑफ सस्पिशियस क्लेम्स' श्रेणी में संदिग्ध दावों के त्वरित और समयबद्ध निपटान के लिए यह सम्मान प्राप्त हुआ है।

छत्तीसगढ़ में उन्नत आईटी आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम, सुदृढ़ क्लेम ऑडिट तंत्र तथा ट्रिगर-आधारित निगरानी प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते संदिग्ध प्रकरणों की समय पर पहचान और उनके त्वरित निराकरण में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। अस्पतालों के साथ बेहतर समन्वय और पारदर्शी प्रक्रियाओं के माध्यम से क्लेम प्रोसेसिंग की गुणवत्ता में वृद्धि हुई है तथा अनावश्यक विलंब में कमी आई है, जिससे योजना के लाभार्थियों को समयबद्ध, सहज और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित हो रही हैं। यह उपलब्धि न केवल प्रशासनिक दक्षता और तकनीकी सुदृढ़ता को दर्शाती है, बल्कि प्रदेश सरकार की जनकेन्द्रित सोच और सेवा-भावना को भी प्रतिबिंबित करती है।

इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना में छत्तीसगढ़ को मिला यह राष्ट्रीय सम्मान राज्य की पारदर्शी, जवाबदेह और जनकेन्द्रित स्वास्थ्य व्यवस्था का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है, और इसी दिशा में तकनीक आधारित मॉनिटरिंग, सुदृढ़ प्रबंधन और सतत सुधार के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, स्वास्थ्यकर्मियों और सभी सहयोगी संस्थानों को देते हुए विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ भविष्य में भी स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करता रहेगा।

इस अवसर पर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य तंत्र की प्रतिबद्धता, पारदर्शिता और निरंतर सुधार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से राज्य सरकार प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए संकल्पित है और यह उपलब्धि स्वास्थ्यकर्मियों, प्रशासनिक टीम तथा सभी सहयोगी संस्थानों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहेगा।

हाईटेक हो रहा बस्तर, दस हजार छात्रों तक पहुँचेगी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शिक्षा

अपने ही स्कूल में मिलेगी डिजीटल युग की नई तकनीक की नालेज

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर की शैक्षणिक आबोहवा में आधुनिकता का नया रंग घुलने लगा है। यहाँ के विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने के लिए जिला प्रशासन ने एक दूरदर्शी कदम उठाया है। धरमपुरा स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज में 15 से 17 अप्रैल, 2026 तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 21वीं सदी के कौशलों पर केंद्रित एक सघन तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

जिला प्रशासन के साझा प्रयासों से फलीभूत हुए इस कार्यक्रम की बागडोर 'द पाई जैम फाउंडेशन' के हाथों में थी, जहाँ प्रशिक्षक नयन सोरी ने अपने तकनीकी कौशल से शिक्षकों को भविष्य की शिक्षा पद्धति से रूबरू कराया। पूरे कार्यक्रम के सफल नियोजन और निगरानी की जिम्मेदारी पीपीआईए फेलो ने बखूबी निभाई। इस कार्यशाला की सार्थकता इसमें सम्मिलित हुए प्रतिभागियों की विशेषज्ञता से और बढ़ गई। जिले के सभी ब्लॉकों से चुनकर आए कुल 25 शिक्षकों ने इसमें भाग लिया, जो कंप्यूटर विज्ञान, गणित और विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों की पृष्ठभूमि रखते हैं। प्रशिक्षण के दौरान पारंपरिक शिक्षण विधियों को पीछे छोड़ते हुए व्यावहारिक और प्रयोगात्मक अनुप्रयोगों पर जोर दिया गया। शिक्षकों ने न केवल एआई टूल्स के संचालन की बारीकियां सीखीं, बल्कि यह भी समझा कि कैसे इन आधुनिक तकनीकों को अपनी दैनिक कक्षा शिक्षण का हिस्सा बनाया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी रायपुर में मिशन कर्मयोगी के तहत संस्थागत क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित

40 विभागों के अधिकारियों की सहभागिता, प्रशिक्षण और नवाचार पर हुआ गहन मंथन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। क्षमता विकास आयोग, भारत सरकार के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी, रायपुर द्वारा मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत एक दिवसीय संस्थागत क्षमता निर्माण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ शासन के लगभग 40 विभागों के नोडल अधिकारी, सचिव स्तर के अधिकारी तथा क्षमता विकास आयोग, नई दिल्ली के पर्यवेक्षक ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यशाला को चार थीम आधारित सत्रों में विभाजित किया गया था। उद्घाटन सत्र में सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग अविनाश चंपावत ने कार्यशाला के औचित्य, उद्देश्य एवं लक्ष्यों पर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए क्षमता निर्माण की आवश्यकता और प्रशासनिक दक्षता के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रथम सत्र में विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए गए। आईएएस अधिकारी कार्तिकेय गोयल ने रोल आधारित क्षमता निर्माण एवं प्रदर्शन विषय पर अपने विचार साझा किए। प्रशासन अकादमी के महानिदेशक एवं वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री सुब्रत साहू ने प्रशिक्षण संस्थानों की शक्ति आधारित भूमिका पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। ट्रिपल आईटी रायपुर के डायरेक्टर प्रोफेसर ओ.पी. व्यास ने AI टेक्नोलॉजी के उपयोग एवं शिक्षण पद्धति विषय पर नवीन तकनीकी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। वहीं, आई-गॉट कर्मयोगी की स्टेट नोडल ऑफिसर एवं अवर सचिव श्रीमती अंजू सिंह ने राज्य में कैडर आधारित प्रशिक्षण व्यवस्था की जानकारी दी।

द्वितीय सत्र में सभी विभागों के नोडल अधिकारियों को चार समूहों में विभाजित कर थीम आधारित प्रेजेंटेशन तैयार करने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात तृतीय सत्र में समूहों द्वारा अपने-अपने प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए गए, जो इस कार्यशाला का प्रमुख आकर्षण रहा।

इसी क्रम में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की नोडल अधिकारी डॉ. अनुराधा दुबे ने अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ मिलकर संस्थागत प्रशिक्षण की भूमिका, उद्देश्य, लक्ष्य, चुनौतियां एवं समाधान विषय पर एक समग्र प्रस्तुति दी।

इस प्रेजेंटेशन में पर्यटन विभाग के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी प्रमील वर्मा, आईएचएम रायपुर की प्रोफेसर प्रिया शर्मा, सीनियर मैनेजर आईटी विकेश ऊके सहित महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, मत्स्य, पशुपालन, खेल एवं युवा कल्याण, वाणिज्य एवं उद्योग तथा परिवहन विभाग के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यशाला का समापन चतुर्थ सत्र में प्रशासन अकादमी के महानिदेशक सुब्रत साहू के प्रेरक समापन उद्बोधन के साथ हुआ। कार्यक्रम के अंत में डायरेक्टर महावर ने सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

यह कार्यशाला प्रशासनिक क्षमता विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है, जिससे विभागों के बीच समन्वय, नवाचार और दक्षता को नई दिशा मिलेगी।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर राज्यभर में रंगारंग कार्यक्रम

वालंटियर्स की सहभागिता से जागरूकता अभियान को मिलेगा बल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर आगामी 8 मई को राज्य स्तर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में रेडक्रॉस राज्य शाखा, रायपुर के चेयरमैन तोमन साहू की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस भवन में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि इस विशेष अवसर पर समूह नृत्य, प्रहसन एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेशभर के रेडक्रॉस वालंटियर्स भाग लेंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के आधार पर पुरस्कृत किया जाएगा। इस दौरान रेडक्रॉस की गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतु विस्तृत कार्ययोजना भी तैयार कर जारी की गई। योजना में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने, विशेष अवसरों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा अधिक से अधिक लोगों को प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) का प्रशिक्षण देने पर जोर दिया गया है। साथ ही, रक्तदान शिविरों का व्यापक आयोजन कर रक्त की आवश्यकता की पूर्ति सुनिश्चित करने और रक्तदान महादान के संदेश को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। जूनियर रेडक्रॉस एवं यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से विद्यार्थियों को रचनात्मक और सेवा आधारित गतिविधियों से जोड़ने की भी योजना बनाई गई है, जिससे उनमें मानवीय मूल्यों और सेवा भाव का विकास हो सके। जिला शिक्षा अधिकारियों को माहवार गतिविधियों के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए गए हैं। कार्ययोजना में शैक्षणिक भ्रमण, प्राकृतिक अध्ययन, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण, काउंसलर प्रशिक्षण, ट्रैकिंग कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण जागरूकता, रक्तदाता दिवस, विश्व योग दिवस, जनसंख्या दिवस, साक्षरता दिवस, अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस, दिव्यांग दिवस, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण सहित विभिन्न कार्यक्रमों को शामिल किया गया है।

साथ ही, विद्यार्थियों को नई दिल्ली में लोकसभा एवं राज्यसभा की कार्यप्रणाली से अवगत कराने के लिए शैक्षणिक भ्रमण भी प्रस्तावित है। बैठक में चेयरमैन तोमन साहू, कोषाध्यक्ष संजय पटेल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विधिक जागरूकता कार्यक्रमः न्यायाधीश ने छात्रों को कानूनी अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति किया जागरूक

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। विनीता वार्नर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर के मार्गदर्शन में आज शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज सूरजपुर में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आनंद प्रकाश वारियाल, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय सूरजपुर ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ न्यायाधीश एवं महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने उद्बोधन में न्यायाधीश वारियाल ने पॉक्सो एक्ट 2012 के प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए छात्रों को इस अधिनियम के अंतर्गत आने वाले अपराधों की गंभीरता, साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया एवं न्यायालयीन प्रक्रिया के महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत कराया। उन्होंने अनेक उदाहरणों के माध्यम से इन अपराधों से जुड़े खतरों एवं दुष्परिणामों को सरल भाषा में समझाया।

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के प्रावधानों की विवेचना करते हुए न्यायाधीश महोदय ने कहा कि आज के समय में मोबाइल फोन प्रत्येक व्यक्ति के पास उपलब्ध है, जिसमें अच्छी और बुरी दोनों प्रकार की सामग्री मिलती है। उन्होंने कहा कि मोबाइल के माध्यम से किया गया कोई भी कार्य कभी छुपता नहीं है, अतः मोबाइल एवं इंटरनेट का उपयोग पूर्ण सावधानी के साथ केवल पढ़ाई एवं अच्छी चीजें सीखने के लिए ही करना चाहिए। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के व्यक्तियों के लिए तहसील न्यायालय से लेकर माननीय सर्वोच्च न्यायालय तक निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह प्रदान करने हेतु विधिक सेवा प्राधिकरणों का गठन किया गया है।

महतारी वंदन योजना से संवर रही पहाड़ी कोरवा परिवारों की तकदीर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश सरकार की फ्लैगशिप 'महतारी वंदन योजना' प्रदेश की महिलाओं के लिए न केवल आर्थिक संबल, बल्कि स्वावलंबन का नया आधार बन रही है। विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की श्रीमती करियो के जीवन में आई खुशहाली लेकर आई है। अम्बिकापुर विकासखण्ड के ग्राम रामनगर की रहने वाली श्रीमती करियो ने योजना से प्राप्त सहायता राशि का सदुपयोग कर न केवल अपना भविष्य संवारा है, बल्कि अपने पूरे परिवार की स्थिति को बेहतर बनाया है।

श्रीमती करियो बताती हैं कि पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण थी। दैनिक खर्चों के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ता था। महतारी वंदन योजना के लागू होने के बाद, जब उनके खाते में राशि आनी शुरू हुई, तो उन्होंने इसे घरेलू खर्चों में लगाने के बजाय निवेश का रास्ता चुना। उन्होंने इस राशि को सहेज कर बकरियां खरीदीं और पशुपालन शुरू किया।

अपनी सफलता साझा करते हुए श्रीमती करियो ने बताया कि मैंने योजना के पैसों से बकरियां खरीदीं और साल भर उनकी देखभाल की। अब मेरे पास छह बकरियां हैं। बकरियां समय-समय पर बच्चे देती हैं, जिससे उनकी संख्या बढ़ती जा रही है। अब मुझे इनसे निरंतर लाभ मिल रहा है और मैंने अपना गुजारा इन्हीं के माध्यम से सुरक्षित कर लिया है।

आर्थिक स्थिति सुधरने से श्रीमती करियो अब अपने पति और नाती-पोतों की बेहतर देखभाल कर पा रही हैं। वे कहती हैं कि पहले और अब के जीवन में बड़ बड़ा बदलाव आ गया है। अब घर में अच्छा खान-पान है और बच्चों का भविष्य सुरक्षित हुआ है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, यह सब सरकार की मदद से संभव हो पाया है, वरना हमारे लिए यह सब सोच पाना भी कठिन था।

अपनी और अपने परिवार की बदलती तस्वीर देख करियो ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना ने उन्हें समाज में सम्मान से जीने का अवसर दिया है। उनके अनुसार, यह योजना ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों की महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

विश्व धरोहर दिवस पर रायपुर में सजी विरासत की अनोखी झलक, संरक्षण पर विशेषज्ञों का मंथन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। संस्कृति विभाग अंतर्गत पुरातत्त्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय, रायपुर द्वारा विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में चित्र प्रदर्शनी एवं व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं संचालक पुरातत्व एवं संस्कृति विवेक आचार्य के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के वरिष्ठ इतिहासकार प्रो. रमेंद्रनाथ मिश्र, अतिथि वक्ता डॉ. राम सतीश पुसुपुलेटी तथा पवन जोशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्वानों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सहभागिता रही। संचालनालय द्वारा प्रतिवर्ष विश्व धरोहर दिवस पर ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों एवं परंपराओं के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में इस वर्ष भी प्रदर्शनी और व्याख्यान के माध्यम से विरासत संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणादायक पहल सोमनाथ स्वाभिमान पर्व ङ्क अटूट आस्था के 1000 वर्ष का अनुसरण करते हुए कला वीथिका में विशेष चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में सोमनाथ मंदिर के 19वीं, 20वीं और 21वीं सदी के चित्रों के माध्यम से उसके ऐतिहासिक विकास, स्थापत्य परिवर्तन और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाया गया।

इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के प्रमुख शिव मंदिरों की स्थापत्य कला को प्रदर्शित करते चित्र भी आकर्षण का केंद्र रहे। स्थानीय धरोहरों को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से जोड़ने का यह प्रयास दर्शकों के लिए विशेष रूप से ज्ञानवर्धक रहा। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस 2026 की थीम इमरजेंसी रिस्पॉन्स फॉर लिविंग हेरिटेज इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ कॉन्फ्लिक्ट एंड डिजास्टर्स पर आधारित व्याख्यान सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. संतोष कुमार, आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर डॉ. राम सतीश पुसुपुलेटी तथा नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के डिप्टी कमांडेंट पवन जोशी ने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए।

विशेषज्ञों ने मूर्त एवं अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों पर मंडराते खतरों, उनके प्रकार, संरक्षण की चुनौतियों तथा आपदा प्रबंधन के प्रभावी उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि धरोहर संरक्षण में शासन के साथ-साथ स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम में प्रदेश के प्रमुख मंदिरों—दंतेश्वरी मंदिर दंतेवाड़ा, महामाया मंदिर रतनपुर, राजीवलोचन मंदिर राजिम, सहसपुर स्थित शिव एवं बजरंगबली मंदिर तथा लक्ष्मणेश्वर मंदिर खरौद के ट्रस्ट एवं समिति के पदाधिकारियों ने भी सहभागिता की। रायपुर चैप्टर के संयोजक अरविंद, ए.के. सिंह, श्रीश मिश्र सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. पी.सी. पारख, उप संचालक एवं विभागीय अधिकारियों—डॉ. अरुंधति परिहार, प्रवीन तिर्की, भीरेंद्र धीवर, विक्रांत वैष्णव, डॉ. राजीव मिंज, अमर भरतद्वाज, नूतन एक्का और अरुण निर्मलकर की सक्रिय भूमिका रही।

कार्यक्रम का सफल संचालन पुरातत्ववेत्ता प्रभात कुमार सिंह ने किया। यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि आधुनिक समय में आपदाओं और संकटों के बीच धरोहरों की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है।

बैकलेस व्हाइट आउटफिट में जाह्नवी कपूर का दिखा ग्लैमरस अंदाज.. तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर काटा बवाल

जाह्नवी कपूर एक बार फिर अपने लेटेस्ट लुक से सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनका ग्लैमरस और सिजलिंग अंदाज देखने को मिल रहा है।

लेटेस्ट तस्वीरों में जाह्नवी कपूर व्हाइट कलर के आउटफिट में दिखाई दे रही हैं,जो बैकलेस डिजाइन का है। तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद ही स्टाइलिश और एलीगेंट लग रही हैं।

जाह्नवी कपूर ने अपने आउटफिट को काफी ग्रेसफुली कैरी किया हुआ है, लेकिन बैकलेस स्टाइल ने उनके पूरे लुक को ग्लैमरस टच दिया है। सोशल मीडिया पर जैसे ही ये तस्वीरें शेयर की गईं, वो वायरल होने लगीं।

फैंस को जाह्नवी कपूर का ये नया अवतार बेहद पसंद आ रहा है। फैंस से लेकर सेलेब्स तक उनके इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। फैंस उनके लुक को स्टनिंग और गॉर्जियस बता रहे हैं।

फैंस जाह्नवी के कॉन्फिडेंस और फैशन सेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक्ट्रेस हमेशा ही अपने फैशन चॉइस को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं।

जाह्नवी कपूर अक्सर ट्रेडिशनल से लेकर वेस्टर्न आउटफिट्स तक में एक्सपेरिमेंट करती नजर आती हैं और हर बार अपने लुक से फैंस को इंप्रेस करती हैं।

इस बार भी उन्होंने सिंपल व्हाइट आउठफिट को एक ग्लैमरस और ट्रेंडी स्टाइल में पेश कर सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो आखिरी बार जाह्नवी कपूर को 2025 में रिलीज हुई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में देखा गया था। इससे पहले वो मिस्टर एंड मिसेज माही और उलझ जैसी फिल्मों में नजर आई थीं।

जाह्नवी कपूर जल्द ही राम चरण के संग पेड्डी में नजर आएंगी। इसके अलावा वो लग जा गले नाम के प्रोजेक्ट पर भी काम कर रही हैं।

उम्र 40 साल, अब तक क्यों कुंवारी हैं शक्ति मोहन? बताया क्यों नहीं की शादी

डांस इंडिया डांस 2 की विनर बनने के बाद शक्ति मोहन ने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई। वो एक पॉपुलर कोरियोग्राफर होने के साथ-साथ डांस स्टूडियो की भी मालकिन हैं। हाल ही में शक्ति को सिदार्थ कन्नन के पॉडकास्ट में देखा गया। इस दौरान उन्होंने अपनी शादी और फैमिली प्लानिंग को लेकर खुलकर बात की।

शक्ति मोहन ने इस पॉडकास्ट में बताया कि आखिर 40 की उम्र में भी वो कुंवारी क्यों हैं। शक्ति ने कहा,बहुत से लोग मुझसे शादी के बारे में बहुत बार पूछते हैं। मेरे पिता ने कल ही मुझसे पूछा कि क्या मुझे कोई मिल गया है, मेरी मां चाहती हैं कि मैं किसी के साथ रहूं। वो मुझसे कहती हैं कि कम से कम एक बॉयफ्रेंड तो बना लो।

शक्ति मोहन ने अपनी बातों को आगे बढ़ाते हुए कहा, मुझे अपने काम और स्टूडियो चलाने में बहुत मजा आ रहा है। मुझे ऐसा नहीं लगता कि कुछ कमी है। ये समाज की सोच है कि जीवन में किसी का होना जरूरी है।

उन्होंने आगे कहा,अगर मैं इस तरह खुश हूं तो समस्या क्या है। अगर मुझे कोई अच्छा साथी मिल जाए तो मैं मना नहीं करूंगी, लेकिन जब कोई है ही नहीं, तो मुझे इस बारे में क्यों सोचना चाहिए। इस पॉडकास्ट में शक्ति मोहन ने कहा कि वो वो सिंगल हैं।

साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि उनके अंदर मदरहुड की फीलिंग भी नहीं है और कभी भी उनकी मां बनने की इच्छा नहीं हुई। शक्ति ने बताया कि दो बार उनका दिल टूट चुका था, उसके बाद उन्हें जब धोखा मिला तो उन्हें काफी परेशानी हुई।

शक्ति मोहन ने बताया,मुझे एक रिश्ते में धोखा मिला। मैंने तुरंत रिश्ता तोड़ दिया। लेकिन मेरी मां ने कहा कि वो अच्छा लड़का है, हमारा तीन साल का रिश्ता था, और मुझे इसे भूल जाना चाहिए। शक्ति मोहन ने बताया कि उनकी मां ने उनसे कहा कि लड़के ऐसे ही होते हैं और इसे स्वीकार कर लो। लेकिन, उन्होंने अपनी मां से कहा कि मैं ऐसे लड़के को अपनी लाइफ में एक्सेप्ट नहीं करूंगी। अगर लड़के ऐसे ही होते हैं तो मुझे अपनी लाइफ में कोई भी लड़का नहीं चाहिए।

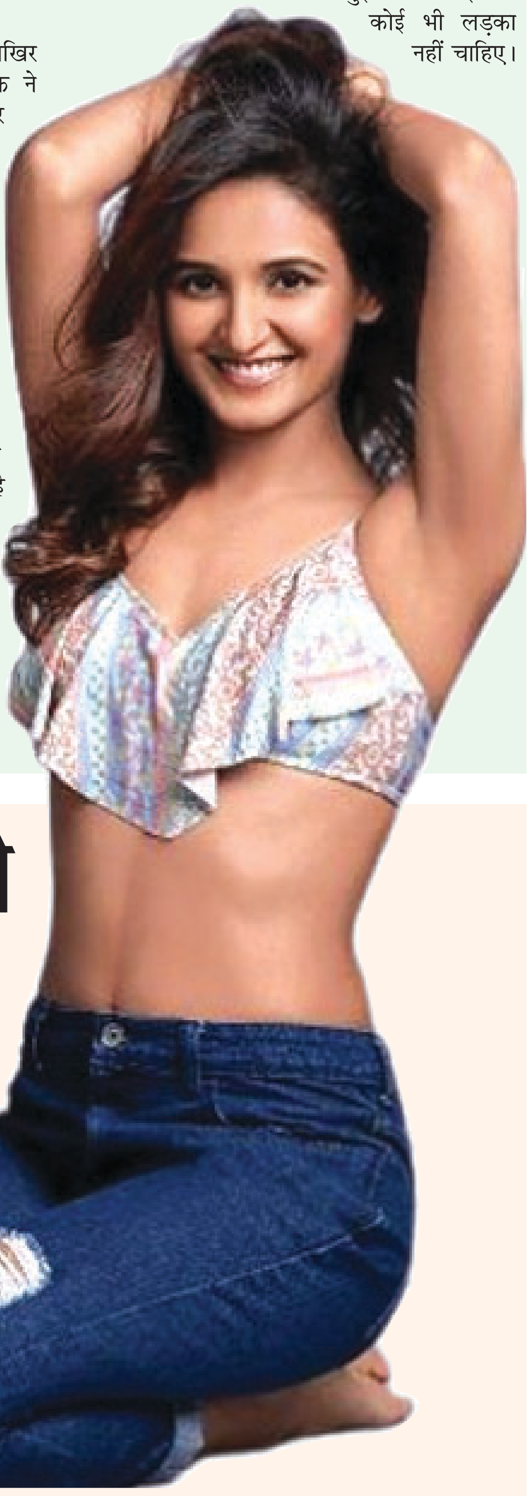

कॉकटेल 2 के लिए कृति सेनन ने कैसे घटाया अपना वजन?

एक्ट्रेस ने पहली बार फॉलो की स्ट्रिक्ट डाइट

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना जल्द ही अपनी आने वाली फिल्म कॉकटेल 2 में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म 2012 में आई कॉकटेल' का सीक्वल है। कॉकटेल 2 के क्लिप्स में कृति काफी फिट और बोल्ड नजर आ रही हैं। अब उन्होंने इसी को लेकर अपनी डाइट और रूटीन को लेकर खुलकर बात की।

कृति सेनन ने कहा, सच कहूं तो कॉकटेल' के दौरान ही ऐसा हुआ था जब मैं बहुत स्ट्रिक्ट डाइट और कंसिस्टेंट वर्कआउट रूटीन पर थी और पहली बार मैंने कैलोरी-डेफिसिट डाइट फॉलो की, जो मैंने पहले कभी अपनी जिंदगी में नहीं किया था।

हम इटली के सिसिली में शूट कर रहे थे और वहां खाने की बात करें तो ज्यादातर पिज्जा, पास्ता, पिज्जा वही सब होता है। और मैं बस सोचती रह जाती थी।'

कैलोरी-डेफिसिट डाइट का मतलब शरीर की नॉर्मल कैलोरी मात्रा से कम कैलोरी लेना। इसका मोटिव वजन घटाने के लिए शरीर में जमा फैट को एनर्जी के रूप में इस्तेमाल करने पर मजबूर करना होता है। इसमें आमतौर पर रोज के खाने में 500-1000 कैलोरी कम की जाती है, जिससे हर सप्ताह लगभग 1 किलो वजन कम हो सकता है।

हाल ही में जूम के पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान कृति ने कॉकटेल 2' को लेकर अपनी एक्साइटमेंट भी शेयर की और फैंस को आने वाली फिल्म की झलक दी। एक्ट्रेस ने कहा कि वह अपनी पिछली फिल्म के मुकाबले कुछ हल्का-फुल्का करना चाहती थीं।

उन्होंने कहा, कॉकटेल 2' बिल्कुल सही समय पर आई। मैं यही चाह रही थी। मैं एक यंग, अर्बन और फन से भरी रोम-कॉम स्पेस में जाना चाहती थी।' उन्होंने आगे कहा, हां, यह एक सीक्वल है, लेकिन मेरे हिसाब से यह एक वाइब' सीक्वल है। इसकी कहानी पूरी तरह अलग है, किरदार पूरी तरह अलग हैं, और उनकी बैकस्टोरी भी बिल्कुल अलग है।'

यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कॉकटेल 2 एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है। कॉकटेल 2 साल 2012 में आई फिल्म कॉकटेल का सीक्वल है। कॉकटेल 2 में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना जैसे एक्टर लीड रोल में हैं।

मातृभूमि को सीधे ओटीटी पर रिलीज नहीं करेंगे सलमान खान

सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमि किसी न किसी वजह से लगातार चर्चा में है। पहले इसे ईद, 2026 के मौके पर रिलीज करने की चर्चा थी। फिर अगस्त तक स्थगित करने का मामला सामने आया।

इस बीच, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि फिल्म को सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम किया जाएगा। इन खबरों ने बेशक फैंस के बीच हलचल मचाई, लेकिन अब साफ हो गया है कि सलमान फिलहाल के लिए ओटीटी का रास्ता नहीं चुनेंगे।

एक सूत्र ने मातृभूमि को ओटीटी पर रिलीज करने की खबरों का खंडन करते हुए कहा, सलमान अब भी एक मेगा स्टार हैं। उन्होंने मातृभूमि को भव्य पैमाने पर बनाया है। यह बड़े पर्दे के लिए बनी फिल्म है, इसलिए वह और निर्देशक अपूर्वा लखिया फिल्म से जुड़े मुद्दों के सुलझने के बाद इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मतलब साफ है कि देर से सही, लेकिन फिल्म सिनेमाघरों में ही आएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, मातृभूमि को अभी तक सेंसर बोर्ड के समक्ष प्रमाणन प्रक्रिया के लिए पेश नहीं किया गया है। सूत्र ने बताया कि पहले फिल्म सच्ची घटना पर आधारित थी, लेकिन रक्षा मंत्रालय के अनुरोध पर निर्माताओं ने कहानी में काल्पनिक मोड़ जोड़कर फिल्म को दोबारा शूट किया। दरअसल, मंत्रालय ने फिल्म में चीन और गलवान घाटी के सीधे संदर्भों को हटाने का सुझाव दिया था। इस कारण से फिल्म को लगातार देरी का सामना करना पड़ रहा है।

मॉइस्चराइजर लगाने के बाद भी त्वचा पर रहता है रूखापन? जानिए इसके 5 कारण

त्वचा की देखभाल के लिए नमी देने वाले उत्पाद का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। यह त्वचा को नमी देता है और उसे मुलायम बनाता है। हालांकि, कई बार ऐसा होता है कि नमी देने वाले उत्पाद का उपयोग करने के बावजूद त्वचा रूखी ही रहती है। ऐसा क्यों होता है? आइए आज हम आपको इसके पांच मुख्य कारण बताते हैं, जिनके बारे में जानकर आपको अपनी त्वचा की देखभाल करने में मदद मिलेगी।

गलत मॉइस्चराइजर का चयन

मॉइस्चराइजर का चयन करते समय त्वचा के प्रकार का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। अगर आप अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार सही मॉइस्चराइजर नहीं चुनते हैं तो इससे आपकी त्वचा को वह नमी नहीं मिल पाती, जिसकी उसे जरूरत होती है। उदाहरण के लिए अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो जेल आधारित मॉइस्चराइजर अच्छा रहेगा, जबकि सूखी त्वचा वालों के लिए क्रीम आधारित मॉइस्चराइजर बेहतर है।

बहुत गर्म पानी से नहाना

बहुत गर्म पानी से नहाने से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है, जिससे वह रूखी हो जाती है। गर्म पानी से नहाने पर त्वचा की ऊपरी परत हट जाती है और नई परत बनने में समय लगता है, जिससे त्वचा रूखी और बेजान लगती है। इसलिए हमेशा गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें और नहाने के बाद त्वचा को मुलायम रखने के लिए मॉइस्चराइजर का उपयोग करें। इससे आपकी त्वचा को नमी मिलेगी।

मौसम के बदलाव का असर

मौसम का बदलाव भी त्वचा की नमी पर असर डाल सकता है। सर्दियों में ठंडी हवा और कम नमी के कारण त्वचा रूखी हो जाती है, जबकि गर्मियों में पसीना और धूल के कारण भी त्वचा को नुकसान पहुंचता है। इसलिए मौसम के अनुसार अपनी त्वचा की देखभाल करें और उसे हाइड्रेटेड रखने के लिए नियमित रूप से मॉइस्चराइजर का उपयोग करें।

शरीर में पानी की कमी

शरीर में पानी की कमी होने पर त्वचा पर सीधें असर पड़ता है और यह रूखी हो जाती है। इसलिए दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं। इसके अलावा फलों का रस या नारियल पानी भी पी सकते हैं। साथ ही खाने में तरबूज, खीरा जैसी पानी वाली सब्जियां शामिल करें। इससे आपकी त्वचा को भरपूर नमी मिलेगी और वह स्वस्थ रहेगी। हाइड्रेटेड रहने से आपकी त्वचा हमेशा ताजगी भरी और चमकदार दिखेगी।

गलत समय पर मॉइस्चराइजर लगाना

मॉइस्चराइजर लगाने का सही समय बहुत अहम होता है। अगर आप नहाने के तुरंत बाद या सोने से पहले मॉइस्चराइजर लगाते हैं तो इसका असर लंबे समय तक रहता है। इसके अलावा दिन में एक बार इसे जरूर लगाएं ताकि आपकी त्वचा हमेशा हाइड्रेटेड रहे। इन कारणों पर ध्यान देकर आप अपनी त्वचा को सही तरीके से नमी दे सकते हैं और उसे स्वस्थ रख सकते हैं।

खास खबर

अपराजिता केंद्र से उपचार पाकर मेहमूदा बानो लौटीं सामान्य जीवन में

रायपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित एकीकृत महिला सहायता केंद्र 'अपराजिता' जरूरतमंद महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। इसका एक प्रेरक उदाहरण महाराष्ट्र के मालेगांव निवासी मेहमूदा बानो हैं, जिन्हें उपचार एवं देखभाल के बाद उनके परिजनों को सुरक्षित सुपुर्द किया गया। मेहमूदा बानो (उम्र 40 वर्ष), जो मानसिक रूप से अस्वस्थ अवस्था में पाई गई थीं, उन्हें 24 जून 2024 को रायपुर स्थित अपराजिता इंटीग्रेटेड वूमेन असिस्टेंस सेंटर में उपचार हेतु भर्ती कराया गया था। केंद्र में निरंतर चिकित्सा, परामर्श एवं देखभाल के परिणामस्वरूप उनकी मानसिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ।स्वास्थ्य में सुधार के पश्चात 13 अप्रैल 2026 को मेहमूदा बानो को उनके परिजनों को सौंप दिया गया। यह पुनर्मिलन उनके जीवन में एक नई शुरुआत का प्रतीक बना।

शबरी नदी तट पर पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की तैयारी

सुकमा। जिले के पर्यटन स्थलों को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कलेक्टर अमित कुमार रविवार को चिक्कलगुड़ा पहुंचे। इस अवसर पर डीएफओ अक्षय भोंसले भी उनके साथ उपस्थित रहे। कलेक्टर ने शबरी नदी के किनारे स्थित पर्यटन क्षेत्र का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने की संभावनाओं पर अधिकारियों के साथ चर्चा की और स्थल को अधिक आकर्षक एवं सुव्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वहां घूमने आए स्थानीय पर्यटकों से संवाद किया और उनसे क्षेत्र में सुविधाओं को बेहतर बनाने हेतु सुझाव भी लिए। पर्यटकों ने साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं को लेकर अपनी राय साझा की।

तीनों विकासखंडों में मानसिक स्वास्थ्य उन्मुखीकरण पूर्ण

एमसीबी। जिले में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला एनएमएचपी टीम द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से तीनों विकासखंडों में स्वास्थ्यकर्मियों हेतु मानसिक स्वास्थ्य उन्मुखीकरण प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 16, 17 एवं 18 अप्रैल 2026 को क्रमशः जनकपुर, मनेन्द्रगढ़ एवं खड़गवां के स्वास्थ्यकर्मियों के लिए आयोजित किया गया, जिसमें 180 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की प्रारंभिक पहचान, समय पर परामर्श एवं उचित रेफरल प्रणाली से जोड़ने के लिए सक्षम बनाना था, ताकि समुदाय स्तर पर सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित की जा सके। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य की मूलभूत समझ, सामान्य मानसिक विकारों के लक्षण, आत्महत्या की रोकथाम तथा किशोर मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

मंत्री लखन लाल के मुख्य आतिथ्य में गोपालपुर में नए औद्योगिक क्षेत्र का हुआ भूमिपूजन

गोपालपुर औद्योगिक क्षेत्र से कोरबा के विकास को मिलेगी नई दिशा, रोजगार के बढ़ेंगे अवसरः मंत्री लखन लाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में कोरबा जिले के दर्री तहसील अंतर्गत ग्राम गोपालपुर में नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हेतु अधोसंरचना विकास कार्यों का भूमिपूजन समारोह का आयोजन हुआ। मंत्री देवांगन द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ अधोसंरचना विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। यह औद्योगिक क्षेत्र लघु, मध्यम एवं बड़े उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करते हुए क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करेगा।

27 एकड़ में विकसित होगा नया औद्योगिक क्षेत्रः कोरबा के विकास को मिलेगा नया आयाम

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, विधायक कटघोरा प्रेमचंद्र पटेल, महापौर संजू देवी राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह, कलेक्टर कुणाल दुदावत, प्रबंध निदेशक सीएसआईडीसी रायपुर विश्वेश कुमार, निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, चेम्बर ऑफ कॉमर्स एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे। मंत्री देवांगन ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि गोपालपुर में नवीन औद्योगिक क्षेत्र के अधोसंरचना विकास कार्यों का भूमिपूजन केवल एक परियोजना की शुरुआत नहीं, बल्कि कोरबा के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। कोरबा के लिए गर्व की बात है, वर्ष 1980 के बाद आज जिले में नवीन औद्योगिक क्षेत्र का विकास किया जा रहा है। लगभग 10.900 हेक्टेयर (27 एकड़) भूमि पर 10.59 करोड़ की लागत से विकसित होने वाला यह औद्योगिक क्षेत्र कोरबा जिले के औद्योगिक विकास को नई दिशा देगा। इस परियोजना के माध्यम से क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में उद्योगों के विस्तार और अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

मंत्री देवांगन ने कहा कि राज्य की नई औद्योगिक नीति निवेशकों और आम नागरिकों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से अब उद्योग स्थापित करने की प्रक्रियाएं सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हो गई हैं, जिससे निवेशकों को अनावश्यक दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। भूमि आबंटन की प्रक्रिया को पूर्णतः ऑनलाइन कर दिया गया है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार की संभावनाएं कम होंगी। विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए मात्र 1 रुपये में भूमि उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है, ताकि वे भी आत्मनिर्भर बन सकें और औद्योगिक विकास में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। इसी संकल्प के साथ विकसित छत्तीसगढ़ 2047 और विकसित कोरबा 2047 का लक्ष्य प्राप्त किया जाएगा।

सीएसआईडीसी के अध्यक्ष अग्रवाल ने कहा कि राज्य की नई औद्योगिक नीति युवाओं और नवोदित उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तैयार की गई है, जिससे नए उद्योग स्थापित हों और व्यापक रोजगार के अवसर सृजित हों। गोपालपुर के इस नवीन औद्योगिक क्षेत्र में 44 इकाइयों को भूखंड आवंटित किए जाएंगे। इससे यहां औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आएगी और स्थानीय युवाओं को यहीं पर रोजगार के अवसर मिलेंगे।

उन्होंने बताया कि नीति के अंतर्गत उद्योगों को आकर्षित करने के लिए भूमि आवंटन प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। साथ ही, पात्र इकाइयों को विभिन्न प्रोत्साहनों के माध्यम से कुल निवेश का लगभग 65 प्रतिशत तक सहायता/अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोरबा अब केवल कोयला और विद्युत उत्पादन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे विविध उद्योगों के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। अंत में उन्होंने सभी उद्यमियों को शुभकामनाएँ दीं।

एमडी कुमार ने लगभग 11 हेक्टेयर क्षेत्र में नए औद्योगिक क्षेत्र के विकास की घोषणा करते हुए सभी को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने बताया नवीन औद्योगिक एरिया विकास की प्रस्तावना से लेकर टेंडर कार्य प्रक्रिया में है। कार्यों को पारदर्शी और सुव्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। नई औद्योगिक नीति के तहत एमएसएमई, नए उद्योगों और स्टार्टअप्स को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे विभिन्न प्रकार के उद्योगों को स्थापित करने में सहायता मिलेगी और रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे। साथ ही, वन क्लिक सिंगल विंडो प्रणाली के माध्यम से सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को सरल, तेज और सुगम बनाया गया है, ताकि निवेशकों और उद्यमियों को एक ही मंच पर सभी सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

13,937 नागरिकों ने पूरी की स्व-गणना प्रक्रिया

छत्तीसगढ़ में डिजिटल जनगणना 2027 को मिल रही तेज रफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित जनगणना 2027 के अंतर्गत शुरू की गई डिजिटल स्व-गणना प्रक्रिया को नागरिकों से उत्साहजनक प्रतिसाद मिल रहा है। जनगणना संचालन निदेशालय, छत्तीसगढ़ से प्राप्त ताजा आंकड़ों के अनुसार अब तक राज्य में 13,937 नागरिकों ने स्व-गणना की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है, जबकि 6,188 लोगों ने पंजीकरण कर प्रक्रिया प्रारंभ की है, परंतु अभी उसे पूर्ण नहीं किया है। इस प्रकार कुल 20,125 नागरिक स्व-गणना पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं, जो इस डिजिटल पहल के प्रति बढ़ते विश्वास और जागरूकता को दर्शाता है।

भारत सरकार के रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान का उद्देश्य आगामी दशक के लिए सटीक और विश्वसनीय सामाजिक-आर्थिक डेटा तैयार करना है। यह डेटा न केवल नीतियों के निर्माण में सहायक होगा, बल्कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का आधार भी बनेगा। जनगणना 2027 के इस चरण में नागरिकों को पहली बार स्व-गणना का विकल्प प्रदान किया गया है, जिससे वे अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। इस पहल से पारदर्शिता और सटीकता दोनों में वृद्धि हुई है तथा नागरिक सशक्तिकरण को भी बल मिला है।

डिजिटल जनगणना की प्रक्रिया को अत्यंत सरल, सुरक्षित और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया गया है। नागरिकों को पोर्टल पर अपना मोबाइल नंबर दर्ज कर ओटीपी के माध्यम से प्रमाणीकरण करना होता है। इसके पश्चात परिवार के मुखिया द्वारा आवास की स्थिति, पेयजल के स्रोत, ऊर्जा के साधन तथा परिवार के सदस्यों के व्यक्तिगत विवरण जैसे नाम, आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, शिक्षा और व्यवसाय से संबंधित जानकारी दर्ज की जाती है। प्रक्रिया पूर्ण होने पर एक डिजिटल संदर्भ संख्या (सीआरएन) प्राप्त होती है, जिसे भविष्य में सत्यापन के समय प्रगणकों को प्रस्तुत करना होगा, जिससे डेटा मिलान का कार्य त्वरित और त्रुटिरहित तरीके से किया जा सके।

राज्य के सभी 33 जिलों और 19,978 ग्रामों में इस महाअभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक प्रशासनिक तैयारियां की गई हैं। राज्य सरकार द्वारा 62,500 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम तैनात की गई है, जिसमें 51,300 प्रगणक और 9,000 पर्यवेक्षक शामिल हैं। ये अधिकारी डिजिटल उपकरणों के माध्यम से डेटा संग्रहण एवं सत्यापन का कार्य कर रहे हैं। नागरिकों की सहायता के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन 1855 भी सक्रिय है, जहां किसी भी प्रकार की समस्या या शंका का समाधान किया जा रहा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के दौरान एकत्रित की जाने वाली सभी व्यक्तिगत जानकारी जनगणना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के अंतर्गत पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। इस डेटा का उपयोग केवल सांख्यिकीय विश्लेषण और विकास योजनाओं के निर्माण के लिए किया जाएगा तथा इसे किसी भी कानूनी जांच या कर निर्धारण के लिए उपयोग में नहीं लाया जाएगा।

इसी क्रम में डॉ. कार्तिकेय गोयल, निदेशक, जनगणना संचालन, छत्तीसगढ़ ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे इस डिजिटल पहल में बढ़-चढ़कर भाग लें और स्व-गणना की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान आने वाले दशक के लिए सटीक सामाजिक-आर्थिक नीतियों के निर्माण का आधार बनेगा और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही इसका उद्देश्य पूर्ण हो सकेगा।

संबल केन्द्र से प्रशिक्षण पाकर दिव्यांगजन बन रहे आत्मनिर्भर

नारायणपुर के युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित संबल केंद्र रायपुर दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसका एक प्रेरक उदाहरण नारायणपुर जिले के सौनारू राम साहू एवं गोविंद कुमार नाग हैं, जिन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर नई राह बनाई है।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार में बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले से आए इन दोनों दिव्यांगजनों को रायपुर स्थित संबल केन्द्र में 3 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें क्षतिग्रस्त सहायक उपकरणों की मरम्मत की तकनीकी जानकारी दी गई।

इस प्रशिक्षण से न केवल दोनों हितग्राहियों के कौशल में वृद्धि हुई है, बल्कि वे अब अपने क्षेत्र में अन्य दिव्यांगजनों की सहायता करने के लिए भी सक्षम हो गए हैं। इससे नारायणपुर जिले में इस योजना के सुचारू संचालन में भी मदद मिलेगी और स्थानीय स्तर पर दिव्यांगजनों को बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। प्रशिक्षण के माध्यम से दिव्यांगजनों को अपने दैनिक जीवन के कार्यों को सुगमता से करने में सहायता मिलेगी तथा वे समाज की मुख्यधारा से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में स्थापित संबल केन्द्र रायपुर में बैटरी चलित ट्रायसाइकिल, हस्तचलित ट्रायसाइकिल सहित विभिन्न सहायक उपकरणों की मरम्मत की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही यहां कृत्रिम हाथ एवं पैर भी बनाए जाते हैं। 'दिव्यांग गैरेज' परियोजना के तहत उपकरणों की मरम्मत कर दिव्यांगजनों को राहत प्रदान की जाती है। दिव्यांगजनों को प्रत्येक 5 वर्ष में उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं, किंतु उपयोग के दौरान उनमें आने वाली खराबियों के समाधान हेतु संबल केन्द्र एक महत्वपूर्ण सहारा बनकर उभरा है।

विधायक ने ग्राम मथनीबेड़ा में अस्मिता परियोजना का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। ग्राम मथनीबेड़ा में शुक्रवार की शाम बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक लता उसेंडी द्वारा नीति आयोग मद से महत्वाकांक्षी पहल अस्मिता परियोजना का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।विधायक ने कहा कि गांव के हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए यह कार्ययोजना बनाई गई है।

अस्मिता परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि स्वतंत्र एवं सफल उद्यमी के रूप में स्थापित करना है। इस पहल के माध्यम से महिलाओं को व्यक्तिगत पोल्ट्री शेड प्रदान कर स्थायी एवं दीर्घकालिक स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। परियोजना के तहत महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ समाज में सम्मानजनक पहचान दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही गांव को पक्की सड़क की सुविधाएं मिलेगी और सरकार के मंशानुरूप गांव में सभी आवश्यक मुलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि अस्मिता प्रोजेक्ट के तहत पायलेट प्रोजेक्ट मथनीबेड़ा गांव को चयनित किया गया है और पहले चरण में 07 महिला हितग्राहियों का चयन किया गया है और जल्द ही गांव के अन्य हितग्राहियों को भी आजीविका गतिविधियों से जोड़ा जाएगा।कार्यक्रम को जिला पंचायत सदस्य नंदलाल राठौर सहित अन्य जनप्रतिनधियों ने भी संबोधित करते हुए इस पहल को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य रामदई नाग, दीपेश अरोरा, प्रेम सिंह नाग सहित जनपद पंचाय सीईओ उत्तम महोबिया एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। अस्मिता परियोजनायह परियोजना एक त्रिपक्षीय मॉडल पर आधारित है, जिसमें जिला प्रशासन द्वारा मार्गदर्शन एवं निगरानी, महिला लाभार्थियों द्वारा संचालन एवं प्रबंधन तथा एबिस फूड एंड प्रोटीन्स द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले इनपुट, तकनीकी सहयोग एवं बाजार उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। अस्मिता परियोजना के अंतर्गत महिलाओं को तकनीकी प्रशिक्षण, वैज्ञानिक प्रबंधन एवं निरंतर फील्ड सपोर्ट प्रदान किया जाएगा, जिससे उत्पादन में वृद्धि एवं जोखिम में कमी सुनिश्चित हो सके। इस मॉडल से महिलाओं की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। परियोजना के तहत प्रति महिला लाभार्थी को वार्षिक लगभग 1.5 लाख रुपये तक की शुद्ध आय का लक्ष्य रखा गया है, वहीं मासिक औसत आय 12 से 13 हजार रुपये तक होने की संभावना है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर पोषण सुधार एवं प्रोटीन उपलब्धता बढ़ाने में भी यह पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके अलावा भविष्य में सुकर पालन और मछली पालन को भी शामिल किया जाएगा।

महिला आरक्षण बिल पर विपक्षी पार्टियों ने भारत की प्रत्येक महिला के सम्मान और अधिकारों के साथ अन्याय किया - भावना बोहरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33ल आरक्षण देने वाले ऐतिहासिक संवैधानिक संशोधन विधेयक कल लोकसभा में पारित नहीं हो पाया। इस अधिनियम को पारित होने से रोकने के लिए कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी द्वारा एकजुट होकर महिलाओं के लिए लाये गए इस अधिकार का विरोध करते हुए लोकसभा सदन में उसे पारित होने से रोक दिया गया।

विपक्षी पार्टियों द्वारा किये गए इस कृत्य पर प्रतिक्रिया देते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि महिलाओं को नेतृत्व और निति निर्माण की दिशा में विशेष स्थान देने के लिए माननीय प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी जी और माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करने हेतु 16 से 18 अप्रैल तक लोकसभा में विशेष सत्र बुलाया गया है लेकिन, विपक्षी पार्टियों द्वारा लोकसभा में जो किया गया, वह भारत की प्रत्येक महिला के सम्मान और अधिकारों के साथ सीधा अन्याय है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को 33ल आरक्षण देने का ऐतिहासिक अवसर विपक्ष ने एक बार फिर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए कुर्बान कर दिया। कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी ने मिलकर महिलाओं के सशक्तिकरण की इस पहल को रोकने का जो निंदनीय काम किया वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

चुनाव के दौरान लड़की हूँ लड़ सकती हूँ का नारा देने वाली कांग्रेस पार्टी और उनके साथ अन्य विपक्षी पार्टियों ने इस अधिनियम में बाधा लाने का जो कार्य किया है उससे स्पष्ट है कि उनके लिए महिलाएं केवल एक वोट बैंक हैं, लेकिन मैं कहना चाहती हूँ कि महिलाएं केवल वोट बैंक नहीं हैं, वे इस देश की शक्ति हैं, भविष्य हैं। उनके अधिकारों को बार-बार कुचलने की यह मानसिकता देश कभी स्वीकार नहीं करेगा।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower, Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
कैरेटस एवं हालमार्क उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

नवा रायपुर में तेज रफ्तार कार डिवाइडर में घुसी

रायपुर। राजधानी के नवा रायपुर क्षेत्र में शनिवार देर रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर में जा घुसी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार टक्कर के बाद हवा में उछलकर डिवाइडर के ऊपर जा फंस गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार में सवार युवक तेज गति से वाहन चला रहे थे। अचानक संतुलन बिगड़ने से कार सीधे डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे के तुरंत बाद कार सवार युवक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए घटना की सूचना मिलते ही मौके पर राहगीर जुट गए। कुछ राहगीरों ने युवकों का और कार का वीडियो बना लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। हादसे की जानकारी पुलिस को नहीं है। पुलिस अधिकारी नया रायपुर में गाड़ी पलटने की सूचना नहीं आने की बात कह रहे है। अफसर ने मामले में जांच करने की बात बोली है वायरल वीडियो के अनुसार युवक स्कॉडा गाड़ी में सवार थे। गाडी का नंबर सीजी 04 एचवाई 8721 बताया गया है। वायरल वीडियो में पांच से ज्यादा युवक दिख रहे है। ये युवक गाड़ी छोड़कर जाने की बात बोल रहे है।

ससुराल जा रहा था नगर सैनिक, हादसे में हुई मौत

रायगढ़। शादी में शामिल होने ससुराल जा रहे नगर सैनिक के जवान की सड़क हादसे में मौत हो गई। वाहन की टक्कर से वह बाइक सहित सड़क किनारे गिर पड़ा। मृतक की पहचान भानूलाल सिदार, निवासी बोंदा पुसौर के रूप में हुई है। वह नगर सैनिक का जवान था और 2012 में उसकी ज्वाइनिंग हुई थी। नगर सैनिक में वह वाहन चलाने के साथ सामान्य ड्यूटी करता था। परिजनों ने बताया कि भानूलाल छुट्टी पर था और शाम को अकेले अपनी टीवीएस सुपर एक्सल से ससुराल कोतमरा जाने निकला था। शाम करीब 7 बजे जब वह बड़े भंडार चौक के पास पहुंचा, तभी अज्ञात वाहन चालक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद वह बाइक सहित अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुसौर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल जवान को इलाज के लिए पुसौर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता अहिवरण सिदार की शिकायत पर पुसौर पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोयला के अवैध खनन पर कार्रवाई 6 टन से अधिक कोयला जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरिया। कोरिया जिला के पटना तहसील अंतर्गत देवखोल जंगल में अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने व्यापक कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में कोयला जब्त किया है। खनिज, वन, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार को सुबह से सघन अभियान चलाकर अवैध सुरंगों को ध्वस्त किया और मौके से करीब 150 बोरी यानी 6 टन 61 किलो अवैध कोयला बरामद किया।

जिले में गठित टास्क फोर्स के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान में एसडीएम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। टीम ने सुरंगों के भीतर प्रवेश कर कार्रवाई की और कोयले के साथ-साथ फावड़ा, गेती, विद्युत पंप, फुटबॉल पाइप तथा बड़ी मात्रा में बिजली के तार भी जब्त किए। इससे यह स्पष्ट होता है कि अवैध उत्खनन संगठित रूप से संचालित किया जा रहा था। इस मामले में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 की धारा 71 तथा खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पहले भी बंद की गई खदानें, फिर दोहराई जा रही गतिविधियां

वन विभाग के अनुसार देवखोल क्षेत्र में पूर्व में भी अवैध खदानों को ब्लास्ट कर बंद किया गया था। एसईसीएल के माध्यम से सुरंगों को सील करने की कार्रवाई लगातार की जा रही है, लेकिन कुछ लोग इन्हें दोबारा खोलने का प्रयास करते हैं। हाल ही में पटना पुलिस द्वारा भी 3 टन 200 किलो अवैध कोयला जब्त कर बीएनएस की धारा 106 के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

प्रशासन की सख्ती, लगातार निगरानी

जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध कोयला उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। शिकायत प्राप्त होते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। वनमंडलाधिकारी ने भी कहा कि ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए नियमित अभियान चलाया जाएगा और आगे और सख्ती बरती जाएगी। प्रशासन का कहना है कि क्षेत्र में आजीविका के पर्याप्त साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि लोग अवैध गतिविधियों से दूर रहें। वी-बीजी रामजी (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन) के तहत स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत मुरमा एवं आसपास के क्षेत्रों में 20.07 लाख रुपये के विकास कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें भूमि समतलीकरण, डबरी निर्माण और तालाब गहरीकरण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त वर्ष 2026-27 के लिए लगभग 54 लाख रुपये के 30 कार्य प्रस्तावित हैं, जिन्हें मांग के आधार पर क्रियान्वित किया जाएगा।

कलेक्टर के निर्देश, वैकल्पिक आजीविका पर जोर

जिला कलेक्टर ने इस जोखिमपूर्ण कार्य से ग्रामीणों को दूर रहने की अपील करते हुए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों और स्किल डेवलपमेंट के माध्यम से स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए जिला पंचायत के सीईओ को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

रायपुर के आरंग में अवैध खनन पर कार्रवाई चिखली - कुरूद में चार पोकलेन मशीनें जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर में रेत के अवैध उत्खनन की शिकायतों पर खनिज विभाग ने आरंग क्षेत्र के चिखली और कुरूद गांव में कार्रवाई करते हुए 4 पोकलेन मशीनें जब्त की है। कलेक्टर के निर्देश पर गठित टीम ने तड़के दबिश दी, जहां कुछ स्थानों पर निर्धारित नियमों के विपरीत उत्खनन किए जाने की बात सामने आई।

कार्रवाई के दौरान टीम को ऐसे संकेत मिले कि कुछ जगहों पर स्वीकृत लीज क्षेत्र से बाहर और प्रतिबंधित समय में भी रेत निकाली जा रही थी। अधिकारियों के पहुंचने पर मौके पर मौजूद लोग हट गए, जिसके बाद मशीनों को जब्त कर आगे की जांच शुरू की गई। विभाग का कहना है कि पूरे मामले की विस्तृत जांच के बाद ही अंतिम कार्रवाई तय की जाएगी।

जीरो टॉलरेंस की नीति

सहायक खनिज अधिकारी उमेश भार्गव ने बताया कि, विभाग नियमों के पालन को लेकर सख्त है, अवैध उत्खनन के खिलाफ हमारी 'जीरो टॉलरेंस' की नीति है। फिलहाल सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन खदानों में अनियमितता की आशंका है, उनका पुन: सीमांकन (डिमार्केशन) कराया जाएगा, ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके।

बिलासपुर में युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर लगा ली आग, हालत गंभीर मची अफरा तफरी

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिल्हा थाना क्षेत्र के गतौरी के पास एक दर्दनाक घटना सामने आई है। एक युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। युवक की पहचान पौसरी निवासी 29 वर्षीय मनजीत जायसवाल के रूप में हुई है। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार मनजीत ने एक पेट्रोल पंप से पेट्रोल खरीदा। इसके बाद उसने वह पेट्रोल अपने ऊपर डाल लिया और खुद को आग लगा ली। मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत युवक को बचाने की कोशिश की आग को बुझा दिया। इसके बाद 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस पहुंची और गंभीर रूप से झुलसे मनजीत को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। युवक ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया इसकी जानकारी नहीं है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अवैध प्लाटिंग मामले में बड़ी कार्रवाई, जोन कमिश्नर समेत तीन इंजीनियर सस्पेंड, लेआउट पास कराने में गड़बड़ी का आरोप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में अवैध प्लाटिंग के लेआउट पास कराने के मामले में नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की है। जोन-10 के जोन कमिश्नर और तीन इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि नियमों को दरकिनार कर अवैध प्लाटिंग को मंजूरी दी गई और इस दौरान उच्च अधिकारियों की आंखों में धूल झोंकी गई।

जानकारी के मुताबिक, बोरियाखुर्द और आसपास के इलाकों में अवैध प्लाटिंग कर लेआउट पास कराए गए थे। मामले में जमीन दलालों और कुछ अधिकारियों की मिलीभगत की भी आशंका जताई जा रही है। कई जगहों पर बिना अनुमति सड़कें बनाकर प्लॉटिंग की गई और फिर उसे वैध कराने की कोशिश हुई।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि इस पूरे मामले से जुड़ी महत्वपूर्ण नस्तियां (फाइलें) गायब कर दी गई थीं।

मामले के उजागर होने के बाद निगम प्रशासन में हड़कंप मच गया और जांच प्रक्रिया तेज कर दी गई।

फिलहाल, नस्ती गायब होने के मामले की अलग से जांच जारी है। संबंधित अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी है।

पहले ही हटाए जा चुके थे अधिकारी

बताया जा रहा है कि मामले के सामने आने से पहले ही जोन कमिश्नर को उनके पद से हटाकर मुख्यालय में अटैच कर दिया गया था। अब जांच रिपोर्ट के आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई है।

जांच के बाद और कार्रवाई संभव

निगम अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद और भी लोगों पर कार्रवाई हो सकती है। अवैध प्लाटिंग के इस पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है, ताकि भविष्य में ऐसी गड़बड़ियां न हो सकें।

इस कार्रवाई के बाद निगम प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है और अन्य जोन में भी लेआउट पास करने की प्रक्रियाओं की समीक्षा शुरू कर दी गई है।

मोटर पार्ट्स की बिक्री में गबन करने वाले आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में मोटर पार्ट्स की बिक्री के नाम पर 6.82 लाख रुपए के गबन का मामला सामने आया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कंपनी के दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने करीब 6.82 लाख रुपए के मोटर पार्ट्स बेचकर रकम हड़प ली। गिरफ्तार आरोपियों के नाम उत्कर्ष मंडल और कुलदीपक साहू बताए गए हैं।

खमतराई पुलिस के अनुसार, रामा मोटोकॉर्प प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजर अंकुर जिंदल ने दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि कंपनी के कर्मचारी उत्कर्ष मंडल, हर्ष साहू, चेतन साहू, कुलदीपक साहू और लक्ष्मण साहू ने सितंबर 2025 से 12 अप्रैल 2026 के बीच कंपनी के मोटर पार्ट्स का गबन किया।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) के निर्देश पर टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने उत्कर्ष मंडल और कुलदीपक साहू को पकड़कर पूछताछ की। दोनों ने गबन की बात कबूल की। पुलिस ने उनके कब्जे से 5 हजार रुपए नगद भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी कंपनी के स्टॉक से मोटर पार्ट्स निकालकर बेच देते थे और रकम कंपनी में जमा नहीं करते थे। लंबे समय तक इस तरह की गड़बड़ी चलती रही, जिससे कंपनी को भारी नुकसान हुआ। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। वहीं मामले में शामिल अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही बाकी आरोपियों को भी गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

रायगढ़ में जमीन विवाद में छोटे भाई की हत्या कोर्ट ने आरोपी को सुनाई उम्रकैद की सजा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के तमनार थाना क्षेत्र में जमीन विवाद के चलते बड़े भाई ने छोटे भाई की हत्या कर दी। न्यायालय ने मामले में सुनवाई के बाद आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

मृतक के बेटे प्रेम साय राठिया ने तमनार में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि 20 जनवरी 2021 की दोपहर करीब 3 से 4 बजे के बीच वह काम से बाहर गया हुआ था। घर पर उसके पिता मनबोध राठिया, भतीजा हेम कुमार और अवन्ति राठिया मौजूद थे।

इसी दौरान मनबोध राठिया और उसके बड़े भाई सोनसाय राठिया के बीच जमीन बिक्री को लेकर विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी सोनसाय राठिया ने टांगी से मनबोध के गले पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तत्कालीन उप निरीक्षक चक्र सुदर्शन जायसवाल ने साक्ष्य एकत्र कर आरोपी के खिलाफ धारा 302 आईपीसी के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

इस मामले की सुनवाई के बाद अपर सत्र न्यायालय घरघोड़ा के न्यायाधीश अभिषेक शर्मा ने आरोपी सोनसाय राठिया को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 1000 रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया। प्रकरण में अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने पैरवी की।

बिलासपुर के राइस मिल में हादसा, मजदूर की दबकर मौत

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के खपरी गांव स्थित एक राइस मिल में काम के दौरान एक मजदूर की दबकर मौत हो गई। यह हादसा धान से भरे एक लोहे के पात्र की दीवार गिरने से हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान राकेश केंवट (35) के रूप में हुई है, जो खपरी गांव का निवासी था। राकेश सिवायम राइस मिल में मजदूरी का काम करता था और घटना के समय वह अपनी दैनिक गतिविधियों में लगा हुआ था।

पात्र की एक दीवार अचानक ढही जिस से राकेश दब गया

जानकारी के अनुसार, राइस मिल में धान से भरे एक बड़े लोहे के बॉक्सनुमा पात्र की एक साइड की दीवार अचानक ढह गई। राकेश केंवट उस समय पास में ही काम कर रहे थे और दीवार गिरने से वे धान के नीचे दब गए।

मिल के अन्य मजदुर तुरंत हेल्प के लिए पहुंचे

हादसे के तुरंत बाद मिल में मौजूद अन्य मजदूरों ने राहत कार्य शुरू किया। उन्होंने धान हटाकर राकेश को बाहर निकाला और गंभीर हालत में उसे तत्काल सीएससी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

तखतपुर पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है और घटना की विस्तृत जांच कर रही है। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने के साथ ही यह भी जांच कर रही है कि कहीं इस दुर्घटना में मिल प्रबंधन की लापरवाही तो नहीं थी।

कोरबा में चोरी का कैम्पर वाहन पेड़ से टकराया

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा के कुसमुंडा इलाके में शनिवार रात चोरी की एक घटना सामने आई। चोरों का चुराया एक कैम्पर वाहन पेड़ से टकरा गया। जिसके बाद चोर उसे मौके पर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह घटना एक कोयला व्यवसायी के वाहन के साथ हुई। चोरों ने वाहन को चोरी करने के इरादे से स्टार्ट किया और भागने की कोशिश की। वाहन बेकाबू होकर सामने खड़े एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर से वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और चोर उसे लेकर भागने में असफल रहे।

नर्सरी जंगल में पेड़ से टकराई गाड़ी

वाहन मालिक लक्ष्मी दास ने बताया कि, उनके ड्राइवर ने रात में गाड़ी घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह करीब 7 बजे जब ड्राइवर चाबी लेने पहुंचा, तो वाहन अपनी जगह पर नहीं था। बाद में, गाड़ी घर से थोड़ी दूर नर्सरी जंगल में एक पेड़ से टकराई हुई क्षतिग्रस्त हालत में मिली। मौके पर खून के निशान भी पाए गए, जिससे आशंका है कि चोर दुर्घटना के बाद घायल होकर फरार हुए।

लक्ष्मी दास ने इस संबंध में कुसमुंडा थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने घटना की जानकारी लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। कुसमुंडा क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

कुछ दिन पहले कपड़े की दुकान में हुई थी चोरी

कुछ दिन पहले गुरुद्वारा परिसर स्थित नेहा रेडीमेड कपड़े की दुकान में भी चोरी हुई थी। इससे पहले भी कुसमुंडा में एक अन्य दुकान को निशाना बनाया गया था। स्थानीय व्यापारियों और कॉलोनीवासियों ने पुलिस गश्त में कमी को लेकर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि रात के समय गश्त कम होने के कारण चोर आसानी से वारदातों को अंजाम देकर भाग निकलते हैं।

लेण्ड्रा के पास आटो पलटा घायल महिला की हुई मौत

जगदलपुर। बस्तर जिले के दरभा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में महिला मजदूर की मौत हो गई। दरभा निवासी चैती कश्यप रोजाना की तरह नेगानार से जगदलपुर मजदूरी के लिए आना-जाना करती थी। वह ग्राम लेण्ड्रा के एक ऑटो से आवागमन करती थी। 15 अप्रैल की शाम करीब 6.30 बजे, जब वह काम से लौट रही थी, तब नेशनल हाईवे-30 पर लेण्ड्रा के पास ऑटो चालक ने लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाते हुए नियंत्रण खो दिया, जिससे ऑटो पलट गया। हादसे में चैती कश्यप के सिर और कमर में गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना गांव के लछिन कश्यप ने परिजनों को दी, जिसके बाद तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से घायल महिला को मेडिकल कॉलेज डिमरापाल अस्पताल लाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद रात 9.59 बजे उसे मृत घोषित कर दिया।

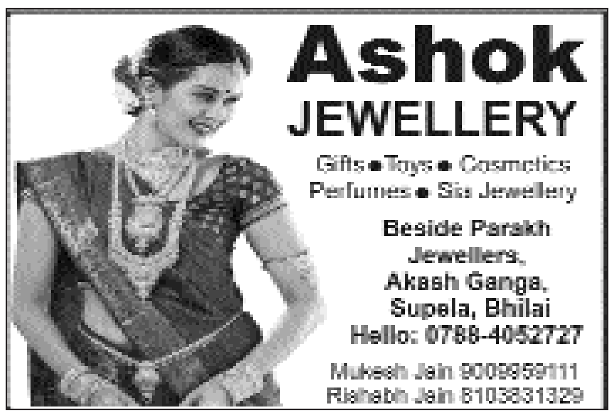

प्रमुख खबरें

मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन पर राष्ट्र के नाम प्रधानमंत्री के संबोधन का श्रवण किया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम के सम्बन्ध में राष्ट्र के नाम प्रसारित संबोधन का श्रवण किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, महापौर मीनल चौबे और महिला बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा सहित अन्य बड़ी संख्या में महिला जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों ने भी उपस्थित रहकर प्रधानमंत्री के संदेश को लाइव सुना।

सुशासन तिहार : 1 मई से 10 जून तक लगेंगे शिविर

अम्बिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार राज्य में सुशासन तिहार 2026 का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य शासन की योजनाओं को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है। 01 मई से 10 जून 2026 के मध्य जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं अम्बेडकर अस्पताल रायपुर की बड़ी उपलब्धि

राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित होगी छत्तीसगढ़ की सिकल सेल जांच किट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट (एमआरयू) के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित सिकल सेल डायग्नोस्टिक किट को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। इस नवाचार को इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'इनोवेटर्स टू इंडस्ट्री कनेक्ट' समिट में प्रदर्शित करने के लिए चयनित किया गया है। यह समिट 23 अप्रैल 2026 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होगा, जहां देशभर के प्रमुख बायोमेडिकल इनोवेटर्स और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

इस सिकल सेल डायग्नोस्टिक किट की खोज एमआरयू के वैज्ञानिक डॉ. जगन्नाथ पाल, डॉ. योगिता राजपूत एवं उनकी टीम द्वारा किया गया है। इस किट के अनुसंधान में एमआरयू की नोडल ऑफिसर डॉ. मंजुला बेक का विशेष सहयोग रहा है। यह किट विशेष रूप से नवजात शिशुओं में सिकल सेल एनीमिया के शीघ्र निदान तथा एंटीनेटल (गर्भावस्था के दौरान) जांच को ध्यान में रखकर विकसित की गई है।

आईसीएमआर के 'मेडिकल इनोवेशन पेटेंट मित्र' कार्यक्रम के अंतर्गत देशभर से चयनित शीर्ष 10 तकनीकों में इस किट को स्थान मिला है। इस सूची में आईआईटी गुवाहाटी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली तथा टाटा मेमोरियल सेंटर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं। ऐसे में इस उपलब्धि को संस्थान और छत्तीसगढ़ राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि और सम्मान के रूप में देखा जा रहा है।

इस नवाचार के लिए 6 फरवरी 2026 को इंडियन पेटेंट के लिए आवेदन भी पहले ही किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इस परियोजना को आईसीएमआर के एक्स्ट्राम्यूरल फंड द्वारा स्पॉन्सर किया गया था, जिससे शोध को आवश्यक सहयोग मिला। यह उपलब्धि क्षेत्र में सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारी के शीघ्र और सटीक निदान की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

आईसीएमआर के तहत 'मेडिकल इनोवेशन पेटेंट मित्र' पहल के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम टेक्नोलॉजी शोकेसिंग और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इसका मुख्य लक्ष्य बायोमेडिकल इनोवेशन को उद्योग से जोड़ना, पेटेंट लाइसेंसिंग को प्रोत्साहित करना और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को मजबूत बनाना है।

इस कॉन्क्लेव में चयनित तकनीकों को नवीनतम मेडिकल टेक्नोलॉजी प्रदर्शित करने, इंडस्ट्री लीडर्स के साथ सीधे संवाद स्थापित करने तथा कमर्शियलाइजेशन के अवसर तलाशने का मंच मिलेगा।

एमआरयू, रायपुर की टीम को इस किट के प्रदर्शन के लिए आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया गया है। उन्हें इवेंट में भाग लेने हेतु पंजीयन, तकनीक का एक पेज का फ्लायर तथा 'मेक इन इंडिया' से संबंधित अंडरटेकिंग निर्धारित समयसीमा में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, प्रतिभागियों को अपनी विकसित किट के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहने के लिए कहा गया है।

इस उपलब्धि पर डीन डॉ. विवेक चौधरी ने कहा कि संस्थान में शोध और नवाचार को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहे हैं। यह उपलब्धि प्रदेश के चिकित्सा क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

वहीं, अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने कहा कि यह नवाचार राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने वाला है और इससे सिकल सेल जैसी बीमारियों के समय पर निदान में बड़ी मदद मिलेगी।

यह सफलता न केवल छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है, बल्कि देश में बायोमेडिकल इनोवेशन को नई दिशा देने वाली पहल के रूप में भी देखी जा रही है। यह सिकल सेल के प्रबंधन में युगांतरकारी सिद्ध होगा।

दिशा दर्शन भ्रमण : 51 महिलाओं को मिला लघु उद्योग का व्यावहारिक ज्ञान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल और मार्गदर्शन में संचालित 'दिशा दर्शन भ्रमण' योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी रूप से आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में सूरजपुर जिले की लगभग 51 महिलाएं, जो विभिन्न महिला स्व सहायता समूहों से जुड़ी हैं, अध्ययन भ्रमण के तहत रायपुर पहुंचीं।

भ्रमण के दौरान महिलाओं ने रायपुर-खरोरा स्थित सोया प्रोसेसिंग प्लांट का अवलोकन कर उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग एवं विपणन की प्रक्रियाओं को विस्तार से समझा। प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाओं में स्वरोजगार के प्रति नया आत्मविश्वास जागृत हुआ और उन्होंने अपने क्षेत्रों में छोटे स्तर पर प्लांट स्थापित कर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की।

इस अवसर पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े स्वयं प्लांट परिसर में उपस्थित रहीं और महिलाओं से सीधे संवाद कर उनका

उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस प्रकार के भ्रमण कार्यक्रम उन्हें व्यवहारिक अनुभव प्रदान करते हैं, जो उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि इच्छुक महिला स्व सहायता समूहों को सोया प्रोसेसिंग जैसे लघु उद्योग स्थापित करने हेतु हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को योजनाओं से जोड़ते हुए उन्हें वित्तीय सहायता, तकनीकी मार्गदर्शन एवं विपणन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि स्व सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं, बल्कि समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाते हुए अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं।मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि दिशा दर्शन भ्रमण योजना के माध्यम से राज्य सरकार महिलाओं को ज्ञान, कौशल और अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर सशक्त रूप से अग्रसर कर रही है।

छत्तीसगढ़ में ग्रीष्म कालीन पर्यटन

गर्मियों में ठंडक के साथ सुकून भी देगा कोरबा का सतरेंगा द्वीप

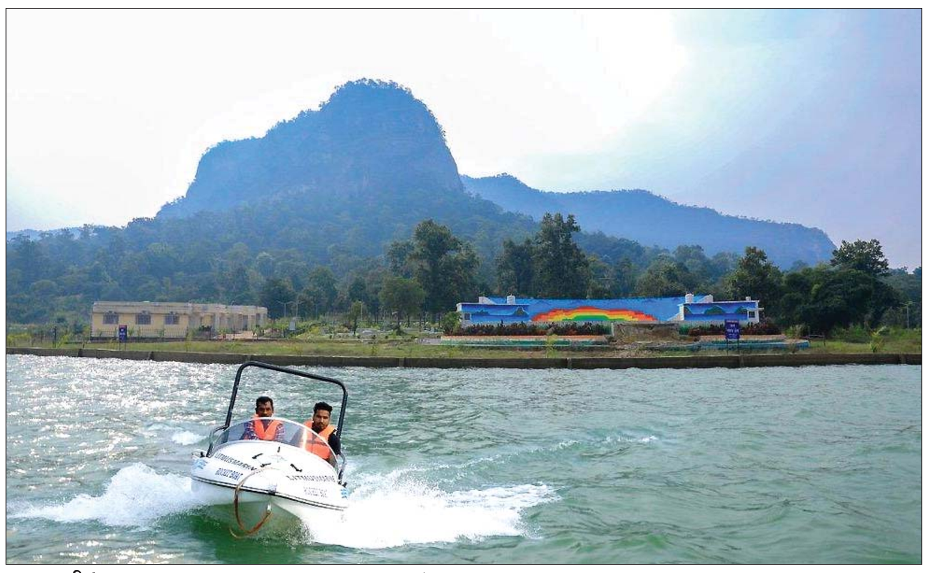

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। छत्तीसगढ़ की ऊर्जाधानी कोरबा अब पर्यटन के क्षेत्र में भी उभर रहा है। जिले में एडवेंचर कैंप से जिले में पर्यटकों की रुचि बढ़ रही है। साल के 12 महीनों पर्यटकों के लिए दरवाजे खुले है। गर्मियों के दिन ठंडक के लिए लोग पहुंचते है और प्राकृतिक खूबसूरती के लिए पेड़ पौधे हरियाली देखने के लिए बरसात में जाते है।

दरअसल बांगो बांध का निर्माण छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में हसदेव नदी पर जंगल के बीच किया गया है। यहां पहाड़ों से घिरे बांध में बीच में कई छोटे -छोटे द्वीप है। जो इसकी सुंदरता को बढ़ाते है। उसी छोटे द्वीप में से एक सतरेंगा भी है।

सतरेंगा से केवल 15 किलोमीटर की दूरी पर महादेव पर्वत है जो काफी लोकप्रिय है। पर्वत की बनावट शिवलिंग की तरह है इसी लिए पर्यटकों के लिए पसंदीदा जगहों में से एक है। ये पूरा इलाका पर्यटकों को इंडोनेशिया के बाली आइलैंड की तरह महसूस करवाता है। पर्वत ठंड के दिनों में पूरी तरह से बादलों में समाए रहता है।

ग्रामीण सतरेंगा में नाव से पर्यटकों को पहाड़ों की किनारे सैर कराते है। इससे स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार के अवसर दिया जा रहा है। वहीं इसके अलावा सतरेंगा के अलावा कई छोटे-छोटे द्वीप है जहां नाइट स्टे कराई जाती है। इसको लेकर युवाओं की टीम अलग एडवेंचर कैंप चला रहे हैं।

कैसे पहुंचें सतरेंगा

कोरबा जिले के सतरेंगा जाने के लिए हवाई सफर, ट्रेन और निजी वाहनों से पहुंचा जा सकता है. रेल मार्ग से जाने किया सबसे निकटतम स्टेशन कोरबा जिसकी दूरी लगभग 40 किलोमीटर है और बिलासपुर रेलवे स्टेशन से लगभग 130 किलोमीटर है.हवाई मार्ग से जाने के लिए रायपुर एयरपोर्ट से लगभग 200 किलोमीटर और बिलासपुर एयरपोर्ट से 130 किलोमीटर दूर है। वहीं सतरेंगा पहुंचने के लिए कोरबा शहर से 38 किलोमीटर पक्की सड़क से आसानी से पहुंच सकते है।

भारत को कबड्डी विश्वकप और एशियन चैंपियन बनाने वाली संजू देवी को 50 लाख

- उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सौंपा चेक, राज्य में पहली बार किसी खिलाड़ी को दी गई है इतनी बड़ी प्रोत्साहन राशि
- कबड्डी विश्वकप में मोस्ट वेल्युबल प्लेयर चुनी गई थी संजू, पूरे टूर्नामेंट में दिखाया था शानदार खेल
- कबड्डी विश्वकप के फाइनल में भारत को मिले 35 प्वाइंट्स में से 16 प्वाइंट्स अकेले संजू ने दिलाए थे
- बहतराई अकादमी में अपने खेल को तराशा है कोरबा के छोटे से गांव केराकछार की संजू ने

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत को कबड्डी विश्वकप और एशियन चैंपियनशिप दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली संजू देवी को राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। छत्तीसगढ़ में पहली बार किसी खिलाड़ी को इतनी बड़ी प्रोत्साहन राशि दी गई है। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें यह राशि सौंपी। श्री साव ने इस दौरान बिलासपुर के चिंगराजपारा कबड्डी क्लब को कबड्डी मैट भी प्रदान किया।

संजू देवी को उनके शानदार खेल की वजह से पिछले साल नवम्बर में बांग्लादेश में आयोजित कबड्डी विश्वकप मंर मोस्ट वेल्युबल प्लेयर चुना गया था। कबड्डी विश्वकप के फइनल में भारत को मिले 35 प्वाइंट्स में से 16 प्वाइंट्स अकेले संजू ने दिलाए थे। सेमी-फइनल सहित अन्य मैचों में भी उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

संजू अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाली राज्य की पहली कबड्डी खिलाड़ी है। कबड्डी विश्व कप के साथ ही उन्होंने पिछले साल मार्च में ईरान में आयोजित एशियन कबड्डी चैम्पियनशिप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था और भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। कोरबा के छोटे से गांव केराकछार की श्रमिक दंपति की संतान 23 साल की संजू राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित बिलासपुर के बहतराई आवासीय बालिका कबड्डी अकादमी में जुलाई-2023 से प्रशिक्षण ले रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने संजू देवी को सम्मानित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य में लगातार खेल और खिलाड़ियों की तरक्की व बेहतरी के लिए काम हो रहे हैं। संजू देवी ने अपने बेहतरीन खेल की बदौलत बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने अपने उत्कृष्ट खेल से देश को दो-दो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक दिलाया है और अपने खेल कौशल से मोस्ट वेल्युबल प्लेयर बनी हैं। छत्तीसगढ़ की बेटी का यह प्रदर्शन राज्य का मान-सम्मान और गौरव बढ़ाने वाला है। उन्होंने संजू देवी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे आने वाले समय में भी इसी तरह हमारे राज्य और देश का नाम रोशन करती रहेंगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि राज्य में जब ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हों तो हमारी जिम्मेदारी बनती है कि ऐसे खिलाड़ियों को आगे बढ़ाएं और प्रोत्साहित करें। हमारे खिलाड़ियों को और विशेषकर लड़कियों को अच्छा खेलने का प्रोत्साहन मिले, इसके लिए सरकार संजू देवी को 50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दे रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने अभी हाल ही में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शानदार मेजबानी की है। बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक के भी वृहद आयोजन किए गए हैं।

श्री साव ने कहा कि सरकार की कोशिश है कि प्रदेश में लगातार खेल प्रतियोगिताएं चलती रहें, चाहे वो सरकार के माध्यम से हों, अन्य संस्थाओं के माध्यम से हों या खेल संघों के माध्यम से हों। खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने बजट में पर्याप्त प्रावधान किए हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती तनुजा सलाम, छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ के अध्यक्ष श्री शशिकांत बघेल और संजू देवी के कोच श्री दिल कुमार राठौर सहित राज्य शासन के विभिन्न अकादमियों में प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ी, कबड्डी संघ के पदाधिकारी एवं विभागीय अधिकारी भी सम्मान समारोह में मौजूद थे।

दमदार खेल और विपक्षी टीम के पाले में जाकर अपनी टीम के लिए अंक बटोरने की काबिलियत की वजह से संजू देवी को नवम्बर-2025 में बांग्लादेश में हुए कबड्डी विश्वकप में टूर्नामेंट का मोस्ट वेल्युबल प्लेयर चुना गया। फाइनल और सेमीफाइनल सहित शुरूआती मैचों में भी निर्णायक क्षणों में उसने टीम की जीत सुनिश्चित करने वाले अंक बटोरे। संजू छत्तीसगढ़ की पहली अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी है। बांग्लादेश में कबड्डी विश्व कप खेलने के साथ ही वह मार्च-2025 में ईरान में हुए एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में देश के लिए खेल चुकी है। ईरान में भी उसने उम्दा प्रदर्शन किया था।

संजू ने गरीबी व अभावों के बीच संघर्ष और कड़ी मेहनत से ये उपलब्धियां हासिल की हैं। वे खेल के प्रति अपने जुनून, समर्पण, अनुशासन, मानसिक मजबूती, कठोर परिश्रम और संघर्ष से यहां तक पहुंची हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के अपने जुनून और जज्बे के बीच उसने जो मानसिक मजबूती दिखाई है, वह दुर्लभ है। अपनी लगन, कड़ी मेहनत और कबड्डी के प्रति जुनून से उन्होंने एक छोटे से गांव से निकलकर दो-दो अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत को चैंपियन बनाने में महती भूमिका निभाई है।

संजू की सफलता और उपलब्धियां खेल में अपना करियर बनाने की सोच रहे बच्चों और युवाओं को प्रेरित करने वाली है। बिलासपुर के शासकीय कबड्डी अकादमी में अपने खेल को तराशने वाली संजू कहती है कि बड़े स्तर पर सफल होने के लिए मानसिक रूप से मजबूत होना जरूरी है। बाधाओं के बीच पहली सीढ़ी पार करने के बाद ही आपको दूसरी सीढ़ी चढ़ने का मौका मिलता है।

लगातार अच्छे प्रदर्शन से मिली भारतीय टीम में जगह

संजू ने अपने गांव केराकछार से कबड्डी विश्व कप तक के सफर के बारे में बताया कि उन्होंने जनवरी-2024 में कोलकाता में आयोजित ईस्ट जोन इंटरयुनिवर्सिटी टूर्नामेंट में और जनवरी-2025 में भटिंडा में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में बिलासपुर विश्वविद्यालय की ओर से तथा विशाखापट्टनम, तमिलनाडु, नागपुर, महासमुंद और भजियापार (महाराष्ट्र) के ऑल इंडिया टूर्नामेंट में राज्य की ओर से भागीदारी की है। वर्ष-2024 में छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ द्वारा आयोजित चयन स्पर्धा में अच्छे प्रदर्शन के फलस्वरूप इंडिया कैंप के लिए संजू का चयन हुआ। इंडिया कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर ईरान में हुए एशियन कबड्डी चैम्पियनशिप के लिए उन्हें भारतीय टीम में स्थान मिला। इसमें लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण उन्हें महिला कबड्डी वर्ल्ड कप की टीम में भी शामिल किया गया। वे भारतीय टीम के लिए गांधी नगर और सोनीपत में आयोजित चार कैंपों में शामिल हो चुकी हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950